संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक
घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 301 शुक्रवार 05 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

इंदौर में बच्चों की मौत हादसा नहीं हत्या : राहुल गांधी

इंदौर,04 सितम्बर 2025 (ए)। इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल के एनआईसीयू (नवजात गहन देखभाल इकाई) में 2 बच्चों की मौत को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हत्या कहा है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-इंदौर में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत...यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधी-सीधी हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर रूह भी कांप जाए। एक मां की गोद से उसका बच्चा छिन गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई। हेल्थ सेक्टर को जानबूझकर प्राइवेट हाथों में सौंपा गया - जहां इलाज अब सिर्फ अमीरों के लिए रह गया है,और गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल अब जीवनदायी नहीं, मौत के अड्डे बन चुके हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा-पीएम मोदी और एमपी के मुख्यमंत्री को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए। आपकी सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों से स्वास्थ्य का अधिकार छीन लिया है। अब मां की गोद से बच्चे तक छिनने लगे हैं। इधर, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरुण राठी इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया और एमवाय अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव समेत अन्य अफसरों के साथ बैठक की। तरुण राठी ने अस्पताल के पीडियाट्रिक यूनिट का दौरा भी किया। उन्होंने पेस्ट कंट्रोल एजेंसी और कंपनी के दस्तावेज देखें और बारीकी से एक-एक बिंदू की जानकारी ली।

जीएसटी सुधार परिवर्तनकारी,सुधारों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए उद्योग : गोयल

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी बताते हुए उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से करीब सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी और देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने गुरुवार को यहां भारत न्यूट्रावर्स एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने कहा कि न्यूट्रास्युटिकल्स उद्योग कल घोषित जीएसटी में परिवर्तनकारी बदलावों के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोग मांग में जबरदस्त और अभूतपूर्व वृद्धि होगी। गोयल ने कहा कि उद्योग अब बिक्री की मात्रा में और वृद्धि की आकांक्षा कर सकता है, जिससे सभी के लिए लाभप्रद स्थिति बनेगी। वाणिज्य मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यवसायों को बड़े अवसरों का लाभ मिलेगा, जबकि जीएसटी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। उन्होंने उद्योग जगत से 'मेड इन इंडिया' को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि जीएसटी में कमी से हर उपभोक्ता को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में की गई कई पहल के फलस्वरूप जीएसटी परिषद में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गया..वह परिवर्तनकारी है। इसका दवा क्षेत्र पर तथा किसानों से लेकर हमारे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) तक विभिन्न क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण प्रभाव होगा। गोयल ने कहा कि देश के प्रत्येक हितधारक, प्रत्येक उपभोक्ता को जीएसटी सुधार का लाभ मिलेगा।

ट्रम्प भारत-चीन को धमकाना बंद करें,दोनों देशों को टैरिफ से नहीं डरा सकते : पुतिन

बीजिंग,04 सितम्बर 2025 (ए)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत और चीन को टैरिफ के नाम पर धमकाना बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि दोनों (भारत-चीन) देश उनकी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। चीन की विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के बाद बुधवार (3 सितंबर) को मीडिया से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि ट्रम्प,भारत या चीन से इस तरह से बात नहीं कर सकते। रूसी राष्ट्रपति ने कहा,भारत और चीन का इतिहास हमलों से भरा है। अगर इन देशों का कोई नेता कमजोरी दिखाएगा तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है। दरअसल, ट्रम्प भारत पर कई बार आरोप लगा चुके हैं कि भारत रूसी तेल खरीदता है और यूक्रेन जंग में रूस का साथ दे रहा है। ट्रम्प अपने टैरिफ को जंग सुलझाने वाला हथियार बताते हैं। ट्रम्प ने द स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में कहा था कि इस (टैरिफ) नीति की वजह से अमेरिका को ताकत मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं। पुतिन ने अमेरिका के रवैये को पुराना और रूढ़िवादी मानसिकता वाला बताया। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक युग अब खत्म हो चुका है। अमेरिका को समझना होगा कि वह अपने पार्टनरों से ऐसी भाषा में बात नहीं कर सकता। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में तनाव कम होगा और सामान्य राजनीतिक बातचीत फिर शुरू होगी। पुतिन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब भारत रूसी तेल खरीदने के कारण अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहा है और चीन अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध में उलझा है।

पलामू में नक्सलियों से लोहा लेते हुए 2 जवान शहीद,एक घायल,ऑपरेशन जारी...

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। झारखंड के पलामू जिले में गुरुवार को प्रतिबंधित भाकपा समूह टीएसपीसी के सदस्यों के साथ मुठभेड़ में कम से कम दो सुरक्षाकर्मी मारे गए और एक अन्य घायल हो गया। झारखंड पुलिस के आईजी ऑपरेशन और प्रवक्ता माइकलराज एस ने बताया, ÷कल देर रात पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति के बीच हुई मुठभेड़ में दो पुलिस जवान शहीद हो गए और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने पलामू के मनातू इलाके में टीएसपीसी कमांडर शशिकांत गंझू, जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है, के खिलाफ अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की ओर से दो जवान शहीद हो गए। पुलिस ने बताया कि मनातू पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत केदल गांव में सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित तृतीया सम्मेलन प्रस्तुति समिति के सदस्यों के बीच देर रात करीब 12.30 बजे मुठभेड़ शुरू हुई।

जीएसटी के अब केवल दो स्लैब 5% और 18%

रोटी,पराठा,दूध,हेल्थ-लाइफ इंश्योरेंस पर टैक्स फ्री

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। अब जीएसटी के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5% और 18% होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन,शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। जीएसटी काउंसिल की 56 वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध,रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28% की जगह 40% जीएसटी लगेगा। मध्यम और बड़ी कारें,350सीसी से ज्यादा इंजन वाली मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आएंगे।

होटल कमरों की बुकिंग सस्ती

होटल के कमरों की बुकिंग पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है, वो भी तब जब कमरे का किराया प्रति दिन 7500 रुपए या उससे कम हो। सौंदर्य और सेहत से जुड़ी सेवाओं पर जीएसटी 18% से कम करके 5% कर दिया गया है,जैसे जिम, सैलून, नाई की दुकान, योग सेंटर आदि, जो आम आदमी इस्तेमाल करता है। कैसिनो, रेस क्लब, या जहां कैसिनो और रेस क्लब हों, या फिर खेल इवेंट्स जैसे आईपीएल में एंट्री के लिए जीएसटी 28% से बढ़ाकर 40% कर दिया गया है।

नए स्लैब 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे

वित्त मंत्री ने बताया कि नए स्लैब नवरात्रि के पहले दिन,यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। हालांकि,तंबाकू वाले सामान पर नई 40% जीएसटी दर अभी लागू नहीं होगी। इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है। दूसरी ओर, 100 रुपए तक की सिनेमा टिकटों पर सिर्फ 5% जीएसटी लगेगा, जो पहले 12% था। लेकिन 100 रुपए से ज्यादा की टिकटों पहले की तरह 18% जीएसटी लगेगा। वहीं, होटल बुकिंग, सौंदर्य और सेहत से जुड़ी सेवाओं पर जीएसटी को घटाकर 5% कर दिया गया है।

जीएसटी हो गया और भी सरल:मोदी

पीएम मोदी ने कहा,अब जीएसटी और भी सरल हो गया है। 22 सितंबर को, जो कि नवरात्रि का पहला दिन है, अगली पीढ़ी का सुधार लागू हो जाएगा क्योंकि ये सभी चीजें निश्चित रूप से मातृशक्ति से संबंधित हैं। उन्होंने कहा,इस बार धनतेरस की रौनक भी और ज्यादा रहेगी। क्योंकि दर्जनों चीजों पर टैक्स अब बहुत ही कम हो गया है। 8 साल पहले जब जीएसटी लागू हुआ तो कई दशकों का सपना साकार हुआ। ये आजाद भारत का सबसे बड़ा आर्थिक सुधारों में से एक था।

जीएसटी दरों में कटौती देश के लिए बड़ी सौगात,दिल्ली को फायदा होगा : रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि माल एवं सेवा कर की दरों में कटौती देश के लिए एक बड़ा उपहार है और यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगी। जीएसटी परिषद की पहली बैठक में शामिल हुईं गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस कदम से देश में व्यापार और कारोबार मजबूत होगा। रेखा गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''यह देश के लिए बहुत बड़ी सौगात है...स्वास्थ्य बीमा और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दरों में कटौती देश के करोड़ों लोगों के लिए बड़ी राहत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं।''

100 की स्पीड, ट्रक में घुसी कार,5 दोस्तों की मौत

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। पटना में सड़क हादसे में 5 दोस्तों की मौत हुई है। उनकी कार चलते ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा परसा बाजार थाना के महोली फ्लाई ओवर के नीचे हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि कार ट्रक के अंदर घुस गई। ट्रक के ड्राइवर को इसका पता भी नहीं चला। वह कार को घसीटते हुए 25 मीटर तक दूर तक चला गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। गैस कटर से कार को काटकर सभी शवों को निकाला गया। मरने वालों में गोपालपुर के 50 साल के राजेश कुमार, 38 साल के संजय कुमार,सिपारा के 38 साल के कमल किशोर,35 साल के प्रकाश चौरसिया और मुजफ्फरपुर के 30 साल के सुनील कुमार शामिल हैं। सभी लोग फतुहा से परसा बाजार होते हुए पटना की ओर आ रहे थे। इसी बीच फ्लाई ओवर के नीचे आगे जा रही ट्रक को कार ने पीछे से टक्कर मार दी। पांचों ने हादसे से कुछ घंटे पहले एक साथ में सेल्फी ली थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ और कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परसा बाजार थाना पुलिस और पटना सदर के छ्रस्करंजन कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस को कार में फंसे शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि यह सभी कारोबारी फतुहा से पटना वापस लौट रहे थे। इसी दौरान परसा बाजार थाना क्षेत्र के सुईया मोड़ के पास ये हादसा हुआ। पूरी कार ट्रक के अंदर घुस गई। हादसे में कार में बैठे 5 लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

भारत-सिंगापुर के रिश्तों में नई उड़ान

पीएम मोदी और पीएम वॉन्ग ने पेश किया रोडमैप

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच गहरी साझेदारी पर ज़ोर दिया। मोदी ने कहा कि हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से प्रेरित है और शांति,प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है।

आतंकवाद का मिलकर मुकाबला

साझा सुरक्षा चुनौतियों पर बात करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएँ समान हैं। सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सिंगापुर द्वारा व्यक्त की गई संवेदना और आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में दिए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर की पीएसए इंटरनेशनल द्वारा विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल चरण-2 के उद्घाटन की घोषणा की, जिसमें समुद्री क्षेत्र में बढ़ते सहयोग पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए समझौता समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को गति प्रदान करेगा।

प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग को बढ़ावा देना

मोदी ने उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराते हुए कहा,प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी साझेदारी के मज़बूत स्तंभ हैं। हमने एआई, क्वांटम और अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने भारत-सिंगापुर हैकाथॉन के माध्यम से युवाओं के बीच सहयोग बढ़ाने की भी घोषणा की और यूपीआई तथा पेनाउ एकीकरण के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी में सफलता पर प्रकाश डाला।

आर्थिक और विनिर्माण संबंधों को मज़बूत करना

आर्थिक सहयोग पर चर्चा करते हुए, मोदी ने आपसी व्यापार को गति देने के लिए आसियान के साथ द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और मुक्त व्यापार समझौते जैसे व्यापार समझौतों की समीक्षा करने की बात कही। उन्होंने चेन्नई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और स्थायी औद्योगिक पार्क जैसी पहलों के माध्यम से भारत के उन्नत विनिर्माण को समर्थन देने में सिंगापुर की भूमिका को रेखांकित किया।

नीतीश का बड़ा ऐलान:5 साल में 1 करोड़ युवाओं को मिलेगी नौकरी,बिहार में विकास की लहर

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सारण जिला के मढ़ौरा अनुमंडल अंतर्गत मढ़ौरा थाना के पीछे स्थित खेल मैदान में कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे प्रगति यात्रा की योजनाओं के स्थल भ्रमण एवं कार्यारम्भ एवं शिलान्यास के लिए यहाँ आने तथा आपसे बातचीत करने का मौका मिला है। यह बहुत खुशी की बात है कि इस कार्यकर्ता संवाद में बड़ी संख्या में आप सब लोग उपस्थित हैं। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूँ। आप सब जानते हैं कि 2005 से पहले की सरकार ने बिहार के विकास के लिए कोई काम नहीं किया, पहले बहुत बुरा हाल था। जब बिहार में 24 नवंबर,

2005 को एन.डी.ए. की सरकार बनी, तब से हमलोग बिहार के विकास में लगे हुये हैं और राज्य में कानून का राज है। सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में बड़े पैमाने पर सड़कों,पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम पूरा हो गया है। हमलोगों ने सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, हर घर तक बिजली, हर घर तक पक्की गली एवं नाली का निर्माण आदि का काम कराया। वर्ष 2020 में युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया गया। वर्तमान तक युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी एवं 39 लाख रोजगार दे दिया गया है। चुनाव से पहले ही 50 लाख से अधिक लोगों को नौकरी एवं रोजगार दे दिया जायेगा। हमलोगों ने अब तय किया है कि अगले 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी / रोजगार दिया जायेगा।

वर्ष 2020 में 10 लाख सरकारी नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया

वर्ष 2020 में युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया गया। वर्तमान तक युवाओं को 10 लाख सरकारी नौकरी एवं 39 लाख रोजगार दे दिया गया है। चुनाव से पहले ही 50 लाख से अधिक लोगों को नौकरी एवं रोजगार दे दिया जायेगा। हमलोगों ने अब तय किया है कि अगले 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी / रोजगार दिया जायेगा।

ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसा सुरक्षा मानक लाने पर विचार:गडकरी

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहसपतिवार को कहा कि सरकार देश में सड़क सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए ई-रिक्शा के लिए भी 'भारत एनकैप' की तर्ज पर सुरक्षा मानक लाने पर विचार कर रही है। गडकरी ने फिक्की सड़क सुरक्षा पुरस्कार एवं संगोष्ठी के सातवें संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार के लिए एक अहम मुद्दा है। उन्होंने कहा, देश में हर साल करीब पांच लाख सड़क हादसे होते हैं, जिनमें 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। इनमें से 66.4 प्रतिशत मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र वाले लोगों की होती हैं। उन्होंने सड़क हादसों में

होने वाली मौतों को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने की जरूरत पर बल दिया। गडकरी ने इस प्रयास में ई-रिक्शा को सुरक्षित बनाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ''ई-रिक्शा की संख्या देश में बहुत अधिक है। हम देख रहे हैं कि किस तरह इनके लिए सुरक्षा मानकों में सुधार किया जा सकता है। हम ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसे सुरक्षा मानक लाने जा रहे हैं।'' उन्होंने चार-पहिया वाहनों के लिए सुरक्षा मानकों को बेहतर करने के इरादे से वर्ष 2023 में भारत-एनकैप सुरक्षा मानक की शुरुआत की थी।

संसद बनी अखाड़ा,टीएमसी और बीजेपी विधायकों के बीच हाथापाई

कोलकाता,04 सितम्बर 2025 (ए)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में उस वक्त जबरदस्त हंगामा हो गया, जब बीजेपी और टीएमसी विधायक आपस में भिड़ गए। जानकारी के अनुसार अल्पसंख्यकों से जुड़े एक बिल पर चर्चा के दौरान हंगामा शुरू हुआ। जिस की वजह से

विधानसभा स्पीकर को मार्शल बुलाने पड़े। इस दौरान बीजेपी के चीफ व्हिप शंकर घोष को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उनके अलावा बीजेपी के 4 और विधायकों को भी सस्पेंड कर दिया गया। हंगामे के दौरान टीएमसी और बीजेपी विधायकों के बीच हाथापाई भी हुई।

अक्टूबर के पहले सप्ताह में चुनाव का ऐलान संभव:बिहार में दीपावली-छठ के बाद हो सकती है वोटिंग,30 सितंबर को जारी होगी फाइनल वोटर लिस्ट

पटना,04 सितम्बर 2025 (ए)। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा इलेक्शन कमीशन अक्टूबर में कर सकता है। अक्टूबर के पहले या दूसरे हफ्ते के शुरुआती दिनों में बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, दो या तीन चरणों में बिहार में वोटिंग संभव है। नवंबर महीने में बिहार में मतदान होगा। जानकारी के मुताबिक, दुर्गा पूजा और दशहरा के बाद बिहार में चुनाव की घोषणा की जाएगी। आयोग छठ पूजा के बाद बिहार में मतदान की तारीख की घोषणा करेगा। 5 से 15 नवंबर मतदान और 20 नंवबर को मतगणना की तारीख तय हो सकती है। चुनाव आयोग 22

नवंबर की डेडलाइन से पहले बिहार में चुनाव की प्रक्रिया संपन्न करेगा।

30 सितंबर को फाइनल वोटर लिस्ट होगी जारी : चुनाव आयोग के मुताबिक, स्क्रूटनी के बाद बिहार में मतदाता सूची के फाइनल प्रकाशन होगा। यह लिस्ट 30 सितंबर को जारी किया जाएगा। इसके बाद आयोग बिहार में चुनाव की घोषणा करेगा। बताया जा रहा है कि आयोग की टीम इसी महीने राज्य का दौरा कर चुनावी तैयारियों का जायजा लेगी।

बिहार सरकार ने 7480 कर्मचारियों को नौकरी से हटाया : बिहार सरकार ने हड़ताल पर गए 7480 विशेष सर्वे संविदा कर्मियों को नौकरी से हटा दिया है। ये सभी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के कर्मी हैं। विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मियों को हड़ताल से लौटने के लिए 3 सितंबर की शाम 5 बजे तक का समय दिया गया था।

संपादकीय

अतिरिक्त टैरिफ भारतीय निर्यात प्रभावित

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है, और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा।भारत के वस्त्र,परिधान,रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल,पशु उत्पाद,रसायन,विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है,जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सर्राफा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है,लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है।इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सवरेपरि हैं।भारत,अमेरिका को 79 अरब डॉलर का कुल निर्यात करता है, इसमें से 45 अरब डॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है। दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है।बेशक,अमेरिका से निर्यात मोचे पर बड़ी चुनौती दरपेश है, लेकिन भारत के सामने तमाम विकल्प हैं। भारत को अमेरिका से बाहर नये बाजार तलाशने होंगे। जरूरी है कि रूस के साथ वह नई रणनीति के साथ बढ़े। भारत पलटवार की भी सोच सकता है। चुनिंदा वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाने की स्थिति में है।अपने प्रभावित क्षेत्रों को घरेलू स्तर पर सब्सिडी देकर प्रोत्साहन देकर मजबूत स्थिति में बनाए रख सकता है। बहरहाल, चुनौती बड़ी है,जिसे अवसर में तब्दील करने की क्षमता भारत में है।

रचनात्मकता को नवल आयाम देते नवाचारी शिक्षक

शिक्षक पर दिवस विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा-उत्तरप्रदेश

समाज जीवन में आजीविका के विविध साधन क्षेत्र दिखाई देते हैं। लेकिन इनमें से बहुत थोड़े से ही क्षेत्र हैं जहां कार्यरत व्यक्ति अपनी रचनात्मकता एवं नवाचार से कार्य को आकर्षक,सुगम सम्प्रेषणीय, सहज ग्राह्य एवं सौंदर्यपरक बना देते हैं; जहां नित नये निर्माण के अवसर होते हैं, जिनसे समाज जीवन को गति मिलती है। शिक्षण एक ऐसा ही क्षेत्र है जहां काम करते हुए व्यक्ति अपनी कल्पना,सोच-विचार और नवाचारी जीवन दृष्टि से रचनात्मकता को नवल आयाम देते हैं। शिक्षा ही वह क्षेत्र है जहां शिक्षक बंधी-बंधाई नीरस कार्य प्रणाली से बिलकुल अलग प्रकार की एक सरस, प्रेरक एवं आनंदमय कार्यपद्धति और व्यवस्था का हिस्सा बनते हैं, जहां अभिव्यक्ति एवं नवल सर्जना के लिए सहज अवसर सर्वदा उपलब्ध होते हैं। विद्यालय में शिक्षक व्यक्ति का निर्माण करते हैं, ऐसे व्यक्ति का निर्माण जिनका हृदय संवेदना, सहकार, सहानुभूति, न्याय, विश्वास, करुणा, प्रेम, अहिंसा और बंधु-भगिनी भाव से ओतप्रोत हो, जो क्षेत्र, पंथ, मजहब, भाषा, लिंग, वेश, रंग, नस्ल से परे परस्पर मानवीय सम्बंधों की आत्मीयता और मधुरता की ऊष्मा को अनुभव करते हुए तदनुरूप व्यवहार करते हैं। शिक्षण का क्षेत्र ही ऐसा एकमात्र क्षेत्र है जहां बच्चों के मन-मस्तिष्क के साथ हृदय और हाथ के समन्वयन के लिए कार्य किया जाता है। सहृदय व्यक्ति ही दुनिया को सुंदर और रहने लायक जगह बनाये रख सकते हैं। कह सकते हैं, शिक्षा विश्व को संवेदना, सौंदर्यबोध, सहकारिता, सहानुभूति एवं सामूहिकता के साथ जीने का पथ प्रदर्शित करती है। शिक्षा ही मनुष्य में मनुष्यता का भावारोपण कर देवत्व की ओर अग्रसर करती है। इसलिए शिक्षा क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति को साधारण नहीं समझा जा सकता क्योंकि वह समाज और देश-दुनिया का भविष्य गढ़ता-रचता है। वह बच्चों की आंखों में सुंदर सुरभित सुनहरे भविष्य के स्वप्नों के बीज बोता है। शिक्षक साधारण दिखता हुआ भी अपनी साधना,संघर्ष, सत्कर्म एवं सात्विकता से असाधारण कार्य सिद्ध कर लोक जीवन में समादृत होता है।

शिक्षक के कार्यक्षेत्र की चुनौतियां बिलकुल अलग प्रकार की होती हैं। वह निर्जीव मशीनों के साथ काम नहीं कर रहा होता बल्कि भावप्रवण संवेदनशील कोमलमना बच्चों के साथ हर पल जीता है, जो समाज की धरोहर हैं। बच्चों का कलरव विद्यालय प्रांगण में खुशियों की वर्षा करता है। परिवार, समाज एवं ग्राम का भविष्य कैसा होगा, यह शिक्षक की कक्षा और उसका व्यवहार देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। शिक्षक केवल पुस्तकें ही नहीं पढ़ते-पढ़ाते, बल्कि बच्चों के मन को भी पढ़ते हैं। वे बच्चों के हाथों में केवल लेखनी नहीं सौंपते अपितु एक लेखनी की सकारात्मक शक्ति एवं अपरिमित ऊर्जा से भी परिचय कराते हैं। शिक्षक के लिए विद्यालय एक कार्यालय भर नहीं होता बल्कि वे उसे बच्चों के ज्ञान निर्माण की सहज जगह बनाते हैं, जहां बच्चे निर्भय होकर अपने सपनों की फसल उगाना सीखते हैं। शिक्षक न केवल बच्चों के साथ बल्कि अभिभावकों और समुदाय के साथ भी एकात्मकता और परस्पर पूरकता का सेतु निर्मित करते हैं। समुदाय के लिए विद्यालय को शैक्षिक संसाधन

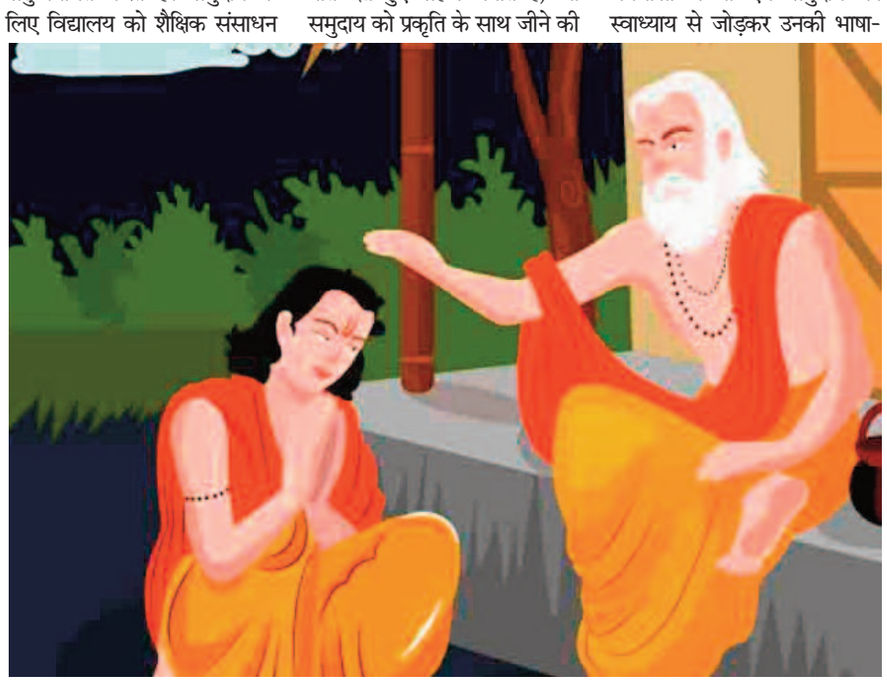

के साथ ही एक साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में भी विकसित करते हैं जहां समुदाय अपनी भूमिका निर्वहन् हेतु आवश्यक ऊर्जा और मार्गदर्शन प्राप्त करता है। शिक्षक बच्चों के माध्यम से लोक में रचे-बसे कला-कौशल, संस्कृति, साहित्य, इतिहास एवं परम्परागत ज्ञान-सम्पदा के संरक्षण का भी कार्य करता है। शिक्षक प्रतिदिन अनेकानेक चुनौतियों, बाधाओं और अवरोधों से जूझते हुए अपने नवाचार से कल्पना एवं रचनात्मकता को अभिव्यक्त करता है। शिक्षक दिवस के अवसर पर देश के लाखों शिक्षकों को नमन करते हुए कुछ नवाचारी प्रयासों को साझा करता हूं जो बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को गति देते हुए सहज बनाते हैं, जो समुदाय को प्रकृति के साथ जीने की राह दिखाते हैं। ये शिक्षा सारथी शिक्षक विद्यालय को बच्चों के लिए एक आनंदमय जगह बनाते हैं जहां बच्चे खुशी-खुशी सीखते हुए हर दिन कुछ नया रचते-बुनते हैं।

पिथौरागढ़, उत्तराखंड के शिक्षक एवं शैक्षिक दखल पत्रिका के सम्पादक महेशचंद्र पुनेठा दीवार पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों में लेखन कौशल के विकास हेतु एक अभियान के रूप में कार्य कर रहे हैं। बोली के संरक्षण पर काम कर रहे हैं। फतेहपुर,उत्तर प्रदेश की शिक्षिका आसिया फारूकी खंडहर और कूड़ा का डंपिंग प्लेस बन गये विद्यालय को आदर्श विद्यालय में परवर्तित कर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करती हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ के घने जंगल में वनवासी समुदाय को शिक्षा के महत्व से परिचित कराने हेतु देवेंद्र देवांगन द्वार-द्वार दस्तक देते हैं। पौढ़ी गढ़वाल, उत्तराखंड %दीवार पत्रिका अभियान% से देश के सैकड़ों शिक्षक जुड़कर अपने विद्यालयों में नियमित पाक्षिक एवं मासिक पत्रिकाएं बच्चों से बनवाकर प्रकाशित कर रहे हैं। महेशचंद्र पुनेठा झोला पुस्तकालय के अभिनव प्रयोग से पढ़ने-लिखने की संस्कृति विकसित कर रहे हैं। बांसवाड़ा, राजस्थान के शिक्षक विजयप्रकाश जैन सामुदायिक पुस्तकालय %सोपड़ा नू घेर% के माध्यम से वनवासी बच्चों एवं समुदाय को स्वाध्याय से जोड़कर उनकी भाषा-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

की इंदु पंवार बच्चों के बीच डायरी लेखन पर काम कर अभिव्यक्ति के अवसर बना रही हैं। तो उत्तर प्रदेश से ज्योति जैन (आगरा) गांव को प्लास्टिक मुक्त बनाने के अपने प्रयास के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ से सम्मानित हैं। बांदा के रामकिशोर पांडेय बाल संसद और मीना मंच के माध्यम से बच्चों में लोकतांत्रिकता एवं सामूहिकता का भाव भर रहे हैं। आभा त्रिपाठी (मऊ) बाडी शेमिंग मुद्दे पर जागरूकता का प्रसार कर रही है और हिना नाज (जालौन) कक्षा की दीवारों पर दर्जन भर एक्टिविटी ब्लैक बोर्ड बनाकर बच्चों को मन की बात लिखने का मंच उपलब्ध करा रही हैं। शाहजहांपुर के शिक्षक प्रदीप राजपूत बच्चों में वैज्ञानिक चेतना के विकास के लिए काम करते हुए कबाड़ और परिवेशीय वस्तुओं से विज्ञान के प्रयोग हेतु संसाधन जुटा लेते हैं। नवाचारी प्रेरक शिक्षकों के इस माणिक्य माल में असंख्य जगमगाते मोती आभा बिखेर रहे हैं। समुदाय शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों की पहचान कर न केवल सम्मानित करें, बल्कि साथ मिलकर विद्यालय को आनंदघर बनायें, शिक्षक दिवस का यही उद्देश्य है।

जीवन जीने का सलीका सिखाते हैं शिक्षक...

योगेश गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

विश्वभर में लगभग सभी महापुरूषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा दी है। गुरू रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है,जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात् गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरूकुल परम्परा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षाएं इन्हीं गुरूकुल में गुरु दिया करते थे,आज नए जमाने में गुरूओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं,जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं,जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है,इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी।

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ 'सर' लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के 'ऑर्डर ऑफ मैरिट' तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा 'टेम्पलटन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महान् दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे।

देश के सम्मान से से बढ़कर कुछ नहीं है

संजय गोस्वामी
अनुशक्तिनगर,मुंबई

रक्षा प्राचीन सभ्यता और श्रम संस्कृति दोनों में,श्रम का एक सामान्य रूप है, जिसमें से हम देख सकते हैं, जकन और हिंदू पूर्व, उपर्णशा। इनमें अधिकार शामिल हैं। हथियार सत्य, अहिंसा,आश्चर्य,अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य होने चाहिए। यदि मृत्यु धर्म के कारण हो, तो वह अहिंसा है। जियो और जीने दो। भारत में सत्य और अहिंसा के संघर्ष में, श्री मोहनदास गांधी ने अपने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सीखा और अपने जीवन में सत्य और अहिंसा को अपनाकर 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराया। आज के यज्ञावर्षण युग में, अहिंसा के पालन से ही,यह सृष्टि पृथ्वी पर विद्यमान है। अंततः इस दुनिया में दो विश्व युद्ध हुए हैं,जिनमें मानव जीवन और अत्यधिक हिंसा मुख्य कारण हैं। जौनपुर के शहर, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे और नवरंग,जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे। आज,सर्वोच्च शक्ति या सर्वोच्च शक्ति जो भगवान की पहुंच से परे है, ने उन्नत देशों को अपनी सुरक्षा के लिए हथियारों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया है। सेनाओं के बीच इस प्रतिस्पर्धा के कारण ही विश्व युद्ध होगा और पृथ्वी पर जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए,आज दुनिया के सभी लोगों के लिए इस धरती पर दिव्य जीवन के लिए अहिंसक जीवन जीने की कला को अपनाना आवश्यक है। भले ही दुनिया के सभी विश्व परम अहिंसा के कारण पर जुटे हों, फिर भी हर साल विश्व स्तर पर सभी दुनिया अहिंसा के मार्ग पर एक दुनिया से दूसरी दुनिया में बदल गई है। केंद्र से केंद्र की ओर बढ़ने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है और इसलिए संयुक्त परामर्श होगा।आज चीन विक्ट्री पैरेड कर शांति को भंग करना चाहता है जिसमें विश्व के शक्तिशाली देशों का जमावाड़ा लगा माननीय प्रधानमंत्री जी को शंघाई शिखर सम्मलेन में जाना उचित था या नहीं ऐ देश के वीर जवानों के लहू से आप खुद समझ जायेंगे देश सर्वोपरि है सेना हमारी रक्षा करती है सियाचिन जैसे कठिन ग़लेशियर पर -30 से 40 डिग्री के तापमान पर भी देश की सीमा की रक्षा करते हैं टैरिफ़ ज्यादा हुआ अमेरिका से तो देश में संसाधनों की कमी नहीं है ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की धरती पर कदम नहीं रखना चाहिए वहाँ पाकिस्तान, तुर्की भी था रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत की चिंता होती तो भारत आते चीन नहीं जब 26/11/08 के हमले हुए तो यही सोच रहा था कि आतंकवादी से मुक्ति दिलाने वाला सही में वो सरकार नाकाम हुई और 2011 में वर्ल्ड कप में जब इंडिया में मैच देखने मोहाली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आए तो पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की खातिरदारी हुई जो आतंक को पालता है लेकिन अब ऐसा लगने लगा है सभी राजनीती पार्टियों को देश से ज्यादा सत्ता की चिंता होती है ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान से नहीं आतंकवादी से युद्ध हुआ और पाकिस्तान की दोहरी नीति सामने आई आतंकवादी को पालना पोसना अतः युद्ध में कूद गया और पाकिस्तान को सबसे ज्यादा किसी ने मदद की है तो वो चीन ही है आप मजे से हैं तो ऐ मत सोचिये की ठीक हो रहा है जो सीमा पर डटे हैं उनसे जाकर पूछिए कितना कष्ट में जीवन यापन करते है खुद के लिए नहीं देश के लिए अतः ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब सेना के उप प्रमुख का बयान आता है कि हम तीन फ्रंट पाकिस्तान, चीन और तुर्की से भी लड़ रहें थे तो उनका जज्बा

देखिए कभी किसी ने चीन से युद्ध के बारे में खुले तौर पर नहीं कहा लेकिन सेना ने भारत माता के लिए वो दर्द सहा है संघर्ष किया है भारत माता का मस्तिष्क गर्व से ऊँचा किया है हम देश के लिए जिए और देश के लिए मरे यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए अमेरिका के सामने एक छोटा सा देश वेनेजुअला ने अमेरिका को डरा दिया कम नहीं है वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज़ ने घोषणा की है कि कैरिबियन में वाशिंगटन की सैन्य उपस्थिति को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, उनका देश संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी भी हमले का सामना करने के लिए तैयार है। रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत तो भगवान राम के आदर्शों पर चलने वाला देश है जहाँ देश ही सबकुछ है मान मर्यादा भी भारत माता के लिए है रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत 140 करोड़ देश वासियो का देश हैं जो आप महाकुम्भ मेला में उसकी ताकत देख चुके होंगे अतः हम देश के स्वाभिमान के लिए मर मिटने के लिए तैयार हैं जो हमें गुरुगोविन्द सिंह ने सिखाई है कि सत कर्मन से कभी ना डरो इसलिए आज पूजे जाते हैं हर हिंदुस्तानी के दिल में बसते है क्योंकि कभी देश की शान को झुकने नहीं दिया और सारा परिवार शहीद होने के बाद भी अंत अंत तक देश में मानवता की रक्षा की.भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा हेतु खालसा पंथ भी बनाया ना तो कभी हारें और हाराना सिखया ऐ देश के प्रति सही शिक्षा हासिल करने से होगी आइये सब मिलकर शिक्षक दिवस पर देश प्रेम की शिक्षा प्राप्त करें क्योंकि जब देश बचेगा तभी हमारी संस्कृती बचेगी और हमारा वजूद रहेगा. भारत माता की रक्षा करना ही शिक्षा का मूल मन्त्र हो देश की सेवा के लिए शिक्षा जरुरी है इसलिए देश के वीर सैनिकों को नमन करता हूँ आज यूक्रेन पर भले ही चीन में सब उसका मज़ाक उड़ा ले लेकिन कभी इतिहास में ऐ भी दर्ज होगा जेलेस्की की बहादुरी और देश प्रेम की भावना जिससे ऐ तो मालूम होगा अपने देश की अखंडता और उसकी संप्रभुता की रक्षा हेतु जो किया वो सही था या गलत अतः देश ही सबकुछ है उसकी मिट्टी में ही जन्मे और मरे भी उसकी मिट्टी में और फिर जन्म भी अपनी मात्रभूमि में लिए।

अब बिहार में नीति और सिद्धांतों की नहीं गाली की राजनीति

कहा तो यह जाता है कि राजनीति में गाली-गलौच के लिए कोई स्थान नहीं होता क्योंकि इसके माध्यम से लोकतन्त्र में आम जनता अपने अधिकारों के लिए लड़ती है। यह लड़ाई पूर्णतः वैचारिक आधार पर होती है अतः जब भी राजनीति में भाषा का स्तर गाली पर उतर आता है तो उसे वैचारिक खोखलेपन का सबूत माना जाता है। वैचारिक खोखलापन राजनीति में तब भी माना जाता है जब नीतिगत सिद्धान्तों के स्थान पर व्यक्तिगत आलोचना होने लगती है। प्रख्यात समाजवादी चिन्तक डॉ. राम मनोहर लोहिया कहा करते थे कि राजनीति में जब वैचारिक स्तर पर खोखलापन शुरू होता है तो व्यक्तिगत आलोचना शुरू होती है और यह चरित्र हत्या तक पहुंच जाती है। मगर भारत में पिछले दो दशक से राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है जिसके लिए सत्ता व विपक्ष दोनों ही जिम्मेदार हैं।

यहां पर महात्मा बुद्ध का प्रसंग याद आता है एक बार एक आदमी गौतम बुद्ध के पास गया। उनको बहुत गालियां दीं। जब गाली देने वाला थककर शांत हो गया तो बुद्ध ने पूछा कि अगर तुम मुझे कुछ सामान दो और मैं उसे ना लूं तो क्या होगा। उस आदमी ने कहा कि वो सामान मेरे पास रह जाएगा। बुद्ध ने कहा कि मैंने तुम्हारी गाली ग्रहण नहीं की। बुद्ध में करुणा थी। राजनीति को मानव विकास से जोड़ना है तो उसमें भी करुणा होनी चाहिए लेकिन सत्ता के बाजार में बिठा दी गई आज की राजनीति करुणा,संवेदना और संयम की परिभाषा नहीं समझती। आज गाली पर राजनीति हो रही है। बिहार सत्तारूढ़ दल इसका फायदा चुनाव में उठाना चाह रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार बंद के दौरान राजधानी पटना समेत प्रदेशभर के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किए गए। इस दौरान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता भी सड़कों पर उतरे।

पटना में भाजपा और जदयू कार्यकर्ताओं ने शहर भर के प्रमुख चौराहों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और पार्टी के दिग्गज नेता संजय मयूख ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्ष की टिप्पणी की निंदा करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा, इतनी बेशर्मी क्यों है? क्या आप प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते हैं और आपके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकलता है?

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अगर हमारा कार्यकर्ता होता तो हम कार्रवाई करते हुए माफी मांगते।

रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव की टिप्पणी पर भी जवाब दिया,जिसमें राजद नेता ने कहा कि उनकी मां (राबड़ी देवी) के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल हुआ था। भाजपा सांसद ने कहा, उनकी मां पूर्व मुख्यमंत्री हैं। वो पॉलिटिकल बात है। क्या हम भी गिनाएं कि राहुल गांधी और विपक्ष के लोगों ने 100 से अधिक बार प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया? पटना के आयकर गोलंबर के पास हाथों में झंडा लेकर भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़क पर उतर आईं और लोगों से आज के बंद का समर्थन करने की बात कही। इन महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के विरोध में जमकर नारे लगाए। बड़ी संख्या में बैनर और पोस्टर लेकर पहुंची प्रदर्शनकारी महिला कार्यकर्ता बीच सड़क पर ही बैठ गईं। कई भाजपा कार्यकर्ता भी इनके समर्थन में सड़कों पर उतर गए हैं।

-कुमार कृष्णन-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

जीएसटी संशोधन पर भाजपा फैसले का सम्मान कर रही है तो वहीं कांग्रेस का कहना है कि इतने साल के नुकसान की भरपाई कौन करेगा

- जीएसटी पर मिले-जुले सुर,किसी ने सराहा तो किसी ने जताई नाराज़गी
- जीएसटी पर जनता की राय बंटी,सुधार और देरी पर उठे सवाल
- जीएसटी पर मिली-जुली प्रतिक्रिया,फायदे-नुकसान पर गरमा रही बहस

जीएसटी : सराहना भी,आलोचना भी लोगों ने रखी अपनी राय

जीएसटी पर जनता की राय : सुधार की गुंजाइश से लेकर नुकसान की भरपाई तक

राम कृष्ण ओझा

विमलेश तिवारी

पंकज तिवारी

अश्वनी सिंह

रामकृपाल साहू

शशि तिवारी

सीए हिमांशु अग्रवाल

सीए स्वयं गोयल

बाबूलाल अग्रवाल

संस्कार अग्रवाल

संजय दोषी

मुरली मनोहर सोनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी सुधारों की नई दिशा

भाजपा जिला मिडिया प्रभारी शशि तिवारी ने जताया आभार हुए कहा की नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों का स्वागत करते है कि यह निर्णय भारत की कार्यप्रणाली को आमजन के लिए अधिक सरल और उद्योग-व्यापार के लिए प्रोत्साहनकारी बनाएगा।श्री तिवारी ने कहा कि आयकर में 12 लाख तक की छूट देने के बाद अब जीएसटी दरों में की गई भारी कटौती से रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएं,खेती-किसानी के उपकरण,खाने-पीने की चीज़ें,दवाइयां,शिक्षा सामग्री,मनोरंजन की वस्तुएं,ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सस्ते हो गए हैं। कई आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स दर शून्य कर दी गई है, जिससे नागरिकों के जीवन में सीधा लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि पर्व से लागू होने वाला यह प्रावधान प्रधानमंत्री जी की व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी की संकल्पना को साकार करेगा। इससे उद्योग-व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी और देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया है। यह निर्णय आम आदमी के जीवन को सरल बनाने और देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था की नई ऊँचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

भारत सरकार द्वारा घोषित अगली पीढ़ी का जीएसटी सुधार वास्तव में आम जनता और व्यापार जगत दोनों के लिए ऐतिहासिक सौगात है...

सीए हिमांशु अग्रवाल ने कहा की भारत सरकार द्वारा घोषित अगली पीढ़ी का जीएसटी सुधार वास्तव में आम जनता और व्यापार जगत दोनों के लिए ऐतिहासिक सौगात है। रोज़मर्रा के उपयोग की वस्तुएँ जैसे तेल, साबुन, टूथपेस्ट, घी, नमकीन, बच्चों के उपयोग की वस्तुएँ अब सस्ती होंगी। इससे हर घर के खर्च में सीधी बचत होगी। किसानों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। ट्रैक्टर, टायर, कीटनाशक, सिंचाई उपकरण और कृषि मशीनों पर टैक्स घटने से खेती-किसानी की लागत कम होगी और उत्पादकता बढ़ेगी। स्वास्थ्य सेवाओं में भी राहत दी गई है बीमा, मेडिकल ऑक्सीजन, डायग्नोस्टिक किट, थर्मामीटर जैसी वस्तुओं को जीएसटी से लगभग मुक्त कर दिया गया है। शिक्षा सामग्री जैसे किताबें, कॉपियाँ, ग्लोब,पेंसिल,रबर भी अब पहले से सस्ती मिलेंगी। साथ ही, गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर कर कम होने से आम मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ा सहारा मिलेगा। इस सुधार से छोटे व्यवसायियों और एसएमई को भी लाभ होगा क्योंकि पंजीकरण और रिफंड की प्रक्रिया आसान की गई है। यह कदम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सरकार का दूरगामी प्रयास है।

जीएसटी दरों में सुधार उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

सीए स्वयं गोयल ने कहा की 22 सितम्बर 2025 से देश में जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू हो रहा है। सरकार ने इसे उपभोक्ताओं और उद्योग दोनों के हित में बड़ा कदम बताया है। खाद्य और दवाइयाँ सस्ती रोटी, पराठा, दूध, पनीर जैसी रोज़मर्रा की वस्तुएँ अब टैक्समुक्त या 5 प्रतिशत पर होंगी। दवाइयाँ और मेडिकल उपकरण भी सिर्फ 5 प्रतिशत पर उपलब्ध होंगे। स्वास्थ्य बीमा को पूरी तरह करमुक्त किया गया है। इससे आम आदमी का खर्च घटेगा। वाहन और कृषि क्षेत्र छोटी कारें, तीन पहिया, बस और ट्रक अब 18 प्रतिशत टैक्स पर आएंगे (पहले 28प्रतिशत)। किसानों को राहत देते हुए कृषि मशीनरी पर दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। रोज़मर्रा का सामान साबुन, शैम्पू, फेस पाउडर अब केवल 5 प्रतिशत पर मिलेंगे। होटल (7500 तक) और सैलून/जिम जैसी सेवाएँ भी सस्ती होंगी। सेवाओं और ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पर्यटन सेवाओं पर राहत दी गई है। सौर पैनल और बैटरियों पर टैक्स घटाकर 5% कर दिया गया है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा। संतुलन और राजस्व सरकार ने जहाँ आम जनता को राहत दी है, वहीं लक्ज़री व सिन्न वस्तुओं (बड़ी कारें, शराब, कैसिनो, आईपीएल टिकट आदि) पर 40% टैक्स रखकर राजस्व की सुरक्षा भी की है जीएसटी का यह रेशनलाइजेशन उपभोक्ताओं को सीधी बचत देगा, स्वास्थ्य व कृषि क्षेत्र को मजबूती देगा और उद्योग जगत में नई ऊर्जा लाएगा।

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,04 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

किसी वस्तु पर जीएसटी की जो दर होती है वही दर उस वस्तु के आयात पर लगने वाले इंटीग्रेटेड जीएसटी की होती है। जाहिर है कि जीएसटी दरों में संशोधन के साथ इंटीग्रेटेड जीएसटी में भी संशोधन होंगे। हम यहां बता रहे हैं कि इंटीग्रेटेड जीएसटी में संशोधन का आम उपभोक्ता और कंपनियों के खर्च तथा सरकार के राजस्व पर क्या प्रभाव पड़ेगा। जीएसटी काउंसिल ने जिन उत्पादों पर टैक्स दरों में संशोधन किया है, उनमें आवश्यक कच्चे माल के साथ हाई वैल्यू प्रोडक्ट भी शामिल हैं। ये संशोधन बिजनेस और कंज्यूमर के खर्च के साथ सरकार के राजस्व को सीधे प्रभावित करेंगे। जीएसटी संग्रह का 24 प्रतिशत हिस्सा इंटीग्रेटेड जीएसटी के माध्यम से आयात पर लगने वाले टैक्स से आता है। इसलिए जीएसटी दरों में संशोधन का असर आईजीएसटी पर भी पड़ेगा। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि किसी वस्तु के आयात पर इंटीग्रेटेड जीएसटी की दर वही होगी जो उस वस्तु के लिए निर्धारित इंटीग्रेटेड जीएसटी दर है, बशर्ते उस पर छूट न दी गई हो। जीएसटी संशोधन पर जहां भाजपा सरकार के तारीफ करते नहीं थक रही है तो वहीं विपक्ष इस मामले को विलंब करने को लेकर निशाना सत्य दिखा उनकी प्रतिक्रियाओं में यह सब देखने को मिला।

भारत की जनता,व्यापारियों व किसानों का खून पूरी तरह से निचोड : विमलेश तिवारी उपाध्यक्ष प्रदेश किसान कांग्रेस ने कहा की गोदी सरकार लगातार 8 वर्षों के जीएसटी के नाम पर भारत की जनता का व्यापारियों का किसानों का खून पूरी तरह से निचोड,चुकी है,और अब जब जीएसटी का विरोध छ.ग. में कांग्रेस पार्टी के द्वारा शुरू किया गया है,तो आठ साल के बाद जी एस टी कौंसिल की बैठक में कुछ चीजों में कमी की गई है, जो कि बहुत पहले हो जाना था। एक ओर स्कूलों को बंद कर नित नए शराब दुकान खोलने वाली सरकार को आम आदमी की कोई फिक्र नहीं है।

सभी को ध्यान में रखे बिना जल्दबाजी की गई है : पंकज तिवारी जीएसटी सुधार को सिर्फ जुमला बताया कहा की इसमें और सुधार सकी गुंजजैश थी सभी का ध्यान रखना चाहिए था जल्दबाजी की गई है।

पूर्व के नुकसान की भरपाई कौन करेगा : अश्वनी सिंह अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पूर्व पार्षद ने कहा की राहुल गांधी जी पहले ही बोले थे कि जीएसटी में संशोधन किया जाय आज उसमें संशोधन किया गया इस बीच का नुकसान जो हुआ उसकी भरपाई कौन करेगा फिर जो संशोधन हुआ है उस स्लैब का टोटल करेंगे तो 63 ही आता है सिर्फ कुछ चीजों में राहत है बाकी सब वही है।

जीएसटी रिफॉर्म से देशवासियों को टैक्स से बड़ी राहत : रामकृपाल साहू प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा छत्तीसगढ़ ने कहा की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देशवासियों को टैक्स में भारी राहत मिलने वाली है। यह रोटी कपड़ा मकान और सेहत का विशेष तोहफा दीपावली से पहले मोदी जी ने दिया है। जो की नवरात्रि से एक दिन पहले लागू होगा। इसका सीधा लाभ किसानों, मध्यम वर्ग,महिलाओं,युवाओं एवं छोटे व्यापारियों को मिलेगा।

यह महत्वपूर्ण निर्णय नागरिकों का जीवन सरल व सुगम बनाने के साथ-साथ उद्योग व व्यापार जगत को नवीन ऊर्जा देगा। यह कदम भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। 12 प्रतिशत स्लैब की वस्तुओं को 5 प्रतिशत एवं 28 परसेंट वाले को 18 परसेंट पे लाना बहुत बड़ा ऐतिहासिक निर्णय है यानि की 12 प्रतिशत एवं 2 प्रतिशत की दरें खत्म हो जाएगी जिससे ज्यादातर रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ते व सुलभ टैक्स ढांचे में आ जाएंगी। शिक्षा के क्षेत्र में एक्सरसाइज बुक एवं नोटबुक टैक्स फ्री, जीवन रक्षक दवाइयां,इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ऑटोमोबाइल,कृषि उपकरण में टैक्स कम किए गए हैं। लग्जरी और तंबाकू उत्पाद एवं विलासिता की वस्तुओं पर टैक्स बढ़ाए जाएंगे इस अत्यंत सराहनीय एवं स्वागत योग्य कदम से आम जनता का जीवन सहज एवं सरल होगा। मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी एवं श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

जीएसटी के बदलावों से आम आदमी की बचत और देश में खपत दोनों बढ़ेगी : भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री संस्कार अग्रवाल ने कहा है कि देश ने कल अब तक के सबसे बड़े कर-सुधारों में से एक जीएसटी में हुए कर-सुधार से आम आदमी के जीवन में अहम और सकारात्मक बदलाव आना तय है। श्री अग्रवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय से आम आदमी की बचत बढ़ेगी और लगभग 6 लाख करोड़ रुपए की खपत बढ़ेगी और आम आदमी के जीवन-स्तर व देश के आर्थिक परिदृश्य में क्रांतिकारी मजबूती आएगी उन्होंने कहा कि सीमेंट,जो घर बनाने की एक बहुत जरूरी वस्तु है के टैक्स रेट में 10 प्रतिशत की कटौती घर बनाने की लागत को कम करने जा रही है। अक्सर यह माना जाता है कि एक घर में 20 प्रतिशत लागत सीमेंट की ही होती है और अब उसके टैक्स रेट में 10 प्रतिशत की कटौती घर बनाने की लागत में सीधा-सीधा दो प्रतिशत कमी कर देंगे। घर में लगने वाले और उपयोग होने वाले कई सामान,जिनमें टीवी,रेफ्रिजरेटर, डेकोरेशन के सामान, पर भी टैक्स दरों में भारी कटौती से घर बनाने की लागत में महत्वपूर्ण कमी आएगी। यह कमी घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं के हिसाब से 5 से 10 प्रतिशत की हो सकती है। घर चलाने के लिए जरूरी हर एक वस्तु पर अब टैक्स की दरों में कमी होने से घर चलाने का बजट भी प्रभावी रूप से कम हो जाएगा भारत सरकार द्वारा किए गए इनकम टैक्स एवं जीएसटी के बदलाव के बाद भारत में खपत लगभग 6 लाख करोड रुपए से बढ़ेगी। इससे जीडीपी में बढ़ोतरी के साथ साथ रोजगार और आर्थिक विकास में भी ज्यादा रफ्तार दिखेगा। जीएसटी का रिफंड अब केवल 7 दिनों में होगा जिससे एक्सपोर्ट में भारी उछाल आएगा। इससे स्वास्थ्य शिक्षा और खेती के खर्चों में भी भारी कमी आएगी।

जीएसटी स्लैब में परिवर्तन राहत का झुनझुना : संजय दोषी शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा की जीएसटी स्लैब में परिवर्तन राहत का झुनझुना है। पीएम मोदी को सालों बाद अब देश की जनता की याद आई है। चहुं ओर महंगाई चरम सीमा पर है। जीएसटी की मार से आम जनता त्रस्त है, त्राहि त्राहि मची हुई है। ऐसे में अब जीएसटी में राहत देने की बात बेमानी प्रतीत होती है।

समाज के हर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा : हर वर्ग को होगा लाभ भाजापा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लिया गया जीएसटी फैसला एक अच्छा फैसला है आगामी विकसित भारत समृद्ध है। इस फैसले से समाज के हर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। अधिकांश वस्तुएँ अब दो स्वीकृत टैक्स स्लैब में समाहित होंगी। इसके चलते कई सामान सस्ते हो जाएंगे। वहीं, विलासिता और हानिकारिक वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत का एक अलग स्लैब मंजूर किया गया है।

सरकार को दर और कानूनी प्रावधान दोनों की सरलीकरण की दिशा में निर्णय लेना था एक तरफा निर्णय हमेशा घातक होता है

छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउन्सिल के प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता आर. के. ओझा ने बताया कि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं दोनों पक्षो पर विचार करना चाहिए जहाँ जीएसटी दरों में कमी से आम उपभोक्ता को काफी फायदा हुआ है वहीं सरकार को बहुत बड़ी राजस्व हानि का सामना करना पड़ेगा जिसका सीधा प्रभाव विकास कार्यों पर पड़ेगा। दरों में जरुरी बदलाव युक्तयुक्त होना चाहिए फ़ौरी तौर पर आम आदमी को मंहगाई से राहत जरूर मिलेगी लेकिन व्यापारी वर्ग के लिए चुनौतीयां बढ़ेगी 22 सितम्बर का लेखा कार्य स्टॉक संधारण दरबार जानकारी प्रस्तुत करना होगा। सरकार को दर और कानूनी प्रावधान दोनों की सरलीकरण की दिशा में निर्णय लेना था एक तरफा निर्णय हमेशा घातक होता है। व्यापारी वर्ग आर-1, थ्री-बी, टू-ए, टू-बी जैसे मकड़जाल में उलझा हुआ है उसके सरलीकरण की दिशा में सरकार मौन है। राजस्व घाटे की पूर्ति के लिये जांच और छापे की अधिकता बढ़ेगी जिनसे व्यापार जगत हलकान होगा। कैसी विडंबना है कि यदि विक्रेता कम्पनी कर चोरी करे, समय पर रिटर्न न भरे तो उसके लिये क्रेता व्यापारी को नोटिस भेजा जाता है और कार्यवाही की जाती है। एक कर एक रिटर्न का प्रावधान होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए सरकार को जीएसटी दर युक्तिकरण के लिए धन्यवाद

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी सूरजपुर के जिला चेयरमैन,छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व उपाध्यक्ष, पूर्व प्रदेश संयोजक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनडीए सरकार को हाल ही में घोषित अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों एवं दर युक्तिकरण के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। जीएसटी के अंतर्गत वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर दरों को 4 स्लैब से घटाकर मुख्यतः 5% और 18% करने का यह ऐतिहासिक निर्णय व्यापार जगत,उद्योगों और आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत है। खाद्य सामग्री जैसे आटा,चावल,दूध,पनीर, मक्खन, फल-सब्जियां, दवाइयाँ, चिकित्सा उपकरण,कृषि उपकरण, साबुन,टूथपेस्ट,बच्चों के डायपर,स्कूल नोटबुक, तथा छोटे वाहन जैसे बाइक और ऑटो आदि पर करों में भारी कमी की गई है। इन वस्तुओं पर कर में कमी से महंगाई कम होगी,खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ÷दृढ़ विश्वास से सुधार÷ के संकल्प का स्पष्ट उदाहरण है। यह केवल कर सुधार नहीं, बल्कि 'एक भारत,एक कर,एक बाजार' की अवधारणा को सशक्त बनाने वाला कदम है,जो सरदार वल्लभभाई पटेल के आर्थिक एकीकरण के स्वप्न को साकार कर रहा है। व्यापारियों और उद्योग जगत को लंबे समय से एक सरल और पारदर्शी कर प्रणाली की आवश्यकता थी। यह दर युक्तिकरण एमएसएमई, किसानों, कारीगरों और आम जनता के लिए भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। इसके परिणामस्वरूप न केवल उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर वस्तुएं मिलेंगी, बल्कि देश का कर आधार बढ़ेगा और राजस्व संग्रह में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आने वाले वर्षों में विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा ।और यह कर सुधार उस दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होगा।

निर्णय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला साबित होगा

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने केंद्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी दर युक्तिकरण के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम से न केवल व्यापारियों को राहत मिलेगी बल्कि आम जनता भी सीधे तौर पर इसका लाभ उठा सकेगी। विधायक मरावी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का यह निर्णय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला साबित होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में इससे कारोबार का दायरा बढ़ेगा और उपभोक्ताओं को भी उचित मूल्य पर वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

संभाग स्तरीय सरगुजा लीगःयूनाइटेड-11 और न्यू स्टार क्लब कोटया की शानदार जीत

-संवाददाता-

अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय सरगुजा लीग कम नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत गुरुवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में यूनाइटेड-11 अंबिकापुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल क्लब कर्रा को 4-1 से हराया। खेल की शुरुआत से ही यूनाइटेड-11 की टीम आक्रामक अंदाज में नजर आई। छोटे-छोटे पास और सटीक रणनीति के जरिए उन्होंने पहले हाफ में ही 3-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। कर्रा की टीम ने दूसरे हाफ में वापसी की कोशिश की और एक गोल किया, लेकिन यूनाइटेड-11 ने अंतिम क्षणों में एक और गोल दागकर मुकाबला 4-1 से अपने नाम किया और अगले दौर में प्रवेश किया।

दूसरे मैच में न्यू स्टार क्लब कोटया और फुटबॉल क्लब हर्राटिकरा के बीच भिड़ंत हुई। कोटया की ओर से अनित सिंह ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। पहले हाफ में उन्होंने लगातार दो गोल कर अपनी टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई।

जीएसटी में सुधार एक नए युग की शुरुआतःअभिषेक शर्मा

-संवाददाता-

अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जीएसटी में लगातार किए जा रहे सुधारों में कर की दर का सरलीकरण एवं आम जनता तक कीमतों में कटौती करने की ऐतिहासिक पहल करते हुए जीएसटी सुधार के अंतर्गत जीएसटी की कर की दरों को 5 एवं 18 प्रतिशत तक करके सरकार ने एक बड़ा बदलाव किया है उपरोक्त सुधार पर टैक्स बार एसोसिएशन सरगुजा के अध्यक्ष एवं आर्थिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सह संयोजक अभिषेक शर्मा ने कहा कि पहले जीएसटी की 4 दरें (5, 12, 18 एवं 28 प्रतिशत) थीं अब केवल 5 एवं 18 मुख्यत- ही है, विलासिता की वस्तुओं एवं तंबाखू प्रोडक्ट्स एवं कुछ अन्य पर ही 40 प्रतिशत ही हैं। 2017 में जीएसटी के लागू होने के बाद अब तक का सबसे बड़ा कदम केंद्र सरकार ने उठाया है। दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली कुछ वस्तुओं पर शून्य एवं कुछ पर 5 प्रतिशत होने से सभी वस्तुओं का मूल्य कम होगा और जनता को राहत मिलेगी, इससे महंगाई कम होने के

साथ msme सेक्टर को भी लाभ होगा, सकल घरेलू उत्पाद भी बढ़ेगा, लघु एवं कुटीर उद्योग के साथ छोटे व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। रोटी चपाती में शून्य दर और अन्य भोजन की सामग्री में 5 प्रतिशत, जीवन बीमा पॉलिसी कर मुक्त,कुछ आवश्यक दवाएं कर मुक्त, मेडिकल उपकरण में कम दर होने,एवं शिक्षण सामग्रियों को कर मुक्त करने से कीमत कम होने के साथ अनुपालन में भी कटौती आयेगी। जीएसटी में सुधार के माध्यम से कर की दर कम होने के कारण घरेलू क्रय शक्ति में वृद्धि होगी, उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होने के साथ द्वह्यद्वद्व को सहारा मिलेगा, नए उद्योग खुलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, निर्माण के क्षेत्र को गति मिलने के साथ कृषि के क्षेत्र को भी मजबूती मिलेगी। ट्रांसपोर्ट वाहन पर जीएसटी 18 प्रतिशत, एवं अन्य वाहनों पर 28 से 18 प्रतिशत होने से वाहनों के मुल्य में काफी कमी आएगी, जिससे आमजन को राहत मिलेगी। वास्तव में सरकार के द्वारा लिया गया निर्णय सर्व हितैषी है इससे राजस्व में प्रारंभिक हानि जरूर होगी लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह सुधार देश को आर्थिक रूप से गति प्रदान करने में सहायक होगा।। जीएसटी में नए फैसले से जीएसटी में अनुपालन का बोझ कम होने से व्यापार अब और सरलता एवं सुगमता से संचालित होगा।

रघुनाथनगर पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी का किया पर्दाफाश

आरोपी ने पैसे के लेन-देन को लेकर दिया था घटना को अंजाम

-संवाददाता-
रघुनाथनगर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए अंधे कत्ल की गुत्थी का किया पर्दाफाश जिसमे बताया कि आरोपी ने पैसे की लेन-देन की बात को लेकर मृतक पर चाकू से वार कर,गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे भेज दिया है। जानकारी के अनुसार आरोपी सियाचंद वैश्य पिता स्वर्गीय राम केवल उम्र 43 साल निवासी भाव खंड थाना माडा जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश का रहने वाला है। दिनांक 30.8.2025 को शाम 4:00 बजे पुलिस चौकी बलंगी थाना रघुनाथ नगर में फोन से सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम चपोता रेंड नदी के किनारे पानी में एक अज्ञात आदमी का शव पड़ा हुआ है और नदी के मेढ़ के ऊपर करीब 50 मीटर दूर एक मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर क्रमांक एमपी 66 एमडी 8406 पड़ी हुई है। सूचना पर थाना प्रभारी रघुनाथनगर के द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को हालत से अवगत कराकर घटनास्थल पर दल बल के साथ पहुंचकर गाड़ी नंबर एमपी 66 एमडी 8406 का डिटेल लेने पश्चात उक्त वाहन ग्राम पंडरी थाना माडा जिला सिंगरौली के शिवराज सिंह का होना पाया. तत्पश्चात मृतक के शव पुलिस के द्वारा पहचान कराई जाने पर मृतक का नाम शिवराज सिंह पिता जमुना सिंह 45 साल ग्राम पंडरी का होना पाया गया। पुलिस ने मृतक के परिजनों से संपर्क कर पहचान की पुष्टि की गई. पुलिस के द्वारा शव के आसपास के स्थल का मौका मुआयना किये जाने पर घटनास्थल पर शव को घसीटने व करीब 50 मीटर दूर नदी के मेढ़ पर संघर्ष के निशान एवं टूटे हुए चाकू का हत्था, और मृतक का बाइक मिला जिससे पुलिस और परिजनों को मृतक के हत्या की आशंका जताई गई। पुलिस ने मौके पर बिना नंबरी मर्ग इंटिमेशन संध्यास्पद हत्या के संबंधी कायम कर जाँच पंचनामा करवाई किया गया। तत्पश्चात प्रकरण में पंचनामा कार्यवाही शव निरीक्षण घटनास्थल निरीक्षण फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम अंबिकापुर तथा डॉग स्क्वायड टीम बलरामपुर की उपस्थिति में की गई तथा परिजनों के द्वारा हत्या की आशंका की जाने पर मृतक के शव का पोस्टमार्टम सीएचसी रघुनाथनगर से कराया गया शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर ने संदेहास्पद गला घोंटने हत्या होना लेख किया गया,जिस पर पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । विवेचना के दौरान

बलरामपुर जिले के तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर भापुसे के सतत मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी व एसडीओपी वाड्रफनगर रामअवतार ध्रुव कर के सतत निर्देशन में घटना स्थल पर प्राप्त साक्ष्य,और मृतक के आने जाने के रास्ते के सीसी फुटेज,मृतक के और संदेही के मोबाइल नंबर का टेक्निकल एनालिसिस किए जाने पर मृतक के साथ अंतिम बार देखे गए व्यक्ति की पहचान सियाचंद वैश्य पिता राम केवल जाति वैश्वार उम्र 43 साल ग्राम भाऊखंड थाना माडा जिला सिंगरौली के रूप में पहचान की गई।

परिजनों ने बताया संदेही आरोपी ने मृतक से साढ़े सात लाख उधार लिए थे

परिजनों ने पुलिस को अपने बयान में बताया कि संदेही के द्वारा मृतक से 7.50 लाख रुपए उधर लिया गया था। संदेह के आधार पर पुलिस के द्वारा संदेही को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ करने पर आरोपी के द्वारा अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि मृतक शिवराज सिंह उर्फ बब्बे पिता जमुना सिंह उम्र 45 वर्ष ग्राम पंडरी खूंटाटोला थाना माडा जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश से आरोपी सियाचंद वैश्य पिता स्वर्गीय राम केवल उम्र 43 साल निवासी भाव खंड थाना माडा जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश ने करीबन 02 वर्ष पहले अलग-अलग किस्तों में मृतक से 7.50 लाख रूपये 5 परसेंट ब्याज में लिया था आज की स्थिति में 15 लाख रुपया हो गया था। आरोपी ने मृतक को अभी तक मात्र 1.5 लाख रुपया ही वापस किया था। मृतक पैसे के लिए लगातार दबाव बनाकर प्रताड़ित करता था। इससे आरोपी क्षुब्ध होकर आरोपी प्लानिंग किया कि इसे निपटाना है योजना के तहत गुरुवार को सिंगरौली जाकर वैष्णो बरतन भंडार बर्तन की दुकान से चाकू खरीदकर लाया। शुक्रवार को शाम को 4:00 बजे दोनों माडा में बैठकर आपस में मिल नाश्ता किया और अगले दिन ग्राम चपोता छत्तीसगढ़ में जमीन दिखाने के लिए जाना तय हुआ था। घटना दिनांक 30/08/25 को शनिवार के सुबह मृतक ने फोन किया और पास के गांव सेमरिया में मिलना तय हुआ। आरोपी और मृतक अपने-अपने मोटरसाइकिल में सेमरिया में मिलकर चांदनी बिहारपुर के रास्ते होते चपोता रेंट नदी के पुल के पास आए। आरोपी अपने मोटरसाइकिल को घटनास्थल से कुछ मीटर पहले छोड़ दिया। और मृतक के मोटरसाइकिल में पीछे बैठकर घटना स्थल के पास नदी के ऊपर किनारे में पहुंचे। योजना के मुताबिक आरोपी अपने हाथ में रखें चाकू से बाइक में बैठे ही मृतक को मारने का प्रयास कर रहे थे इसी दौरान मृतक ने उसके चाकू को पकड़ लिया और छीना झपटी के कारण चोट मृतक और आरोपी को दाहिने हाथ उंगलियों कटने का चोट आया।

आरोपी ने निकल गए रुपए एवं मोटरसाइकिल को अपने घर में छुपा रखा था...

आरोपी के द्वारा मृतक के जेब से निकाले गए 50000 रुपए, अपना मोबाइल सेट और मोटरसाइकिल हीरो एचएफ डीलक्स क्रमांक एमपी53 एमए 7901 को अपने घर में छुपा कर रखना बताए जिससे विवेचना के दौरान घटना में प्रयुक्त सामग्रियों को आरोपी के निशानदेही पर घटनास्थल से लोहे का चाकू हुआ घटना के समय पहने हुए आरोपी के खून लगे कपड़े जप्त किया गया है वह आरोपी के घर से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल हेलमेट मोबाइल सेट और 50000 रुपए को जप्त किया गया है आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पाए जाने पर आरोपी को दिनांक 3.9.2025 के 19:00 बजे गिरफ्तार किया गया है। जिसे आज न्यायिक रिमांड हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल कराया गया है।

गांव के पंच सहित अन्य लोगों पर जानलेवा हमला,5 गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

हत्या के प्रयास के मामले में धौरपुर पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार मोहन तिर्की ग्राम रघुपुर थाना धौरपुर का रहने वाला है। वह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बुधवार को अपने बाड़ी में टमाटर टेना गाड़ रहा था। तभी गांव के गणेश यादव वहां आकर बोला कि तुम लोग रास्ता पार होने नहीं देते हो मैं भी पार नहीं होने दूंगा। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद होने लगा। तभी गांव के पंच कृष्णा सिंह व राजेश कुजूर पहुंचे और दोनों पक्षो को समझाया। बातचीत शांत होने के बाद कुष्णा व राजेश नदी तरफ चले गए। बाद पंच कृष्णा व राजेश के नाला तरफ से आते समय रायेश्याम यादव,विजयशंकर यादव,दयाशंकर यादव, श्रवण यादव, कपिल व सुदर्शन सभी एक राय होकर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की नियत से डण्डा से प्राण घातक हमला कर कृष्णा व राजेश को मारपीट किया। हल्ला सुनकर मोहन तिर्की छुड़ाने गया तो उसके साथ भी आरोपियों ने मारपीट की है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 351(3),115(2),119(1),119(2),119(3),109(1) के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राधेश्यान यादव उम्र 55 वर्ष, दयाशंकर यादव उम्र 27 वर्ष, श्रवण यादव 30 वर्ष, कपिल देव उम्र 55 वर्ष, सुदर्शन बारिक उर्फ मोटू उम्र 27 वर्ष शामिल है।

16 वर्षीय किशोरी से किया सामूहिक बलात्कार,नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले की 16 वर्षीय किशोरी से एक नाबालिग और 3 युवकों ने सामूहिक बलात्कार किया। दरअसल किशोरी अपने परिचित युवक के साथ नर्सरी की ओर घूमने गई थी। इस दौरान पहले से वहां शराब पी रहे चारों आरोपी उन्हें नर्सरी के भीतर सूनसान जगह पर ले गए। यहां चारों ने मिलकर युवक की पहले बेदम पिटाई की और पेड़ से बांध दिया। फिर किशोर के साथ सामूहिक बलात्कार किया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताया जा रहा है कि 16 वर्षीय किशोरी अपने एक दोस्त के साथ 1 सितंबर को बतौली इलाके में स्थित एक नर्सरी की ओर घूमने जा रही थी। नर्सरी के पास ही एक नाबालिग समेत 4 युवक शराब पी रहे थे। किशोरी को देख उनकी नीयत बिगड़ गई और वे दोनों से विवाद करने लगे। इसके बाद चारों ने नर्सरी के सूनसान इलाके में ले जाकर युवक की पिटाई शुरु कर दी और उसे पेड़ से बांध दिया। इसके बाद किशोरी से चारों ने सामूहिक बलात्कार किया। वारदात को अंजाम देने के बाद किसी को ये बात नहीं बताने की धमकी भी दी। युवकों के चंगुल से छूटने के बाद पीड़िता अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरी बात बताई। फिर वह संबंधित थाने पहुंचे और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। किशोरी ने बताया कि वह एक आरोपी को पहचानती है। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गणेश विसर्जन के दौरान जशपुर में हुए हादसे में घायल एक और की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जशपुर जिले के ग्राम जुरुडांड में गणेश प्रतिमा की विसर्जन यात्रा के दौरान अनियंत्रित बोलेरो की चपेट में आने से घायल एक और व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 4 हो गई है। जानकारी के अनुसार बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम जुरूडांड में 2 सितम्बर को भगवान गणेश की प्रतिमा लेकर विसर्जन के लिए काफी संख्या में लोग निकले थे। रात करीब 9.30 से 9.45 बजे के बीच कुनकुरी रोड से बगीचा मुख्य मार्ग में गणेश की प्रतिमा को छोटा हाथी वाहन में लेकर आ रहे थे, पीछे से डीजे बाजा के साथ गाड़ी आ रही थी। इसी दौरान बगीचा की ओर से आ रही बेकाबू बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 15 सीआर 1429 के साथ चालक सुखसागर पिता चंद्रशेखर निवासी कुदमुरा पतराटोली, शराब के नशे में तेज रफ्तार में आया और भीड़ को रौंद दिया, जिसमें मौके पर भगदड़ की स्थिति बन गई, और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना में घायल लोगों को बगीचा स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया था।

त्यौहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने की अपील

- शांति समिति की बैठक में डी.जे. पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का लिया निर्णय,अश्लील एवं धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गीतों पर सख्त प्रतिबंध
- ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक का समय निर्धारित, ध्वनि विस्तारक यंत्रों की सीमा (45 से 70 डीबी) तक अनुमति

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

आगामी ईद-ए-मिलाद,गणेश चतुर्थी, दशहरा (विजयादशमी),दीपावली एवं छठ पूजा जैसे प्रमुख त्यौहारों को शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने के उद्देश्य से कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभा कक्ष में 2 सितंबर को आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,अपर कलेक्टर,एसडीएम,तहसीलदार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न समाजों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने सुझाव और मांगें रखीं। ईद-ए-मिलाद के अवसर पर जुलूस निकालने,बच्चों एवं समाजसेवियों

का सम्मान करने, मार्गों की मरम्मत कराने तथा पर्व के दिन पूर्ण शराबबंदी लागू करने की मांग की गई। गणेश मूर्ति विसर्जन को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम, पर्याप्त रोशनी, पुलिस बल एवं गोताखोर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के सुझाव दिए गए। साथ ही डी.जे. पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। दशहरा पर्व पर रावण दहन कार्यक्रम पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित होगा। पारंपरिक शैला नृत्य, आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा और डी.जे. पर रोक रहेगी। समिति ने सड़कों की मरम्मत, साफ-सफाई, पेयजल एवं बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी आयोजनों के लिए पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा।

पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती, चौक-चौराहों पर निगरानी एवं लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग केवल सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही निर्धारित सीमा (45 से 70 डीबी) में अनुमति प्राप्त कर किया जा सकेगा। बिना अनुमति, लिमिटर के अथवा नियम विरुद्ध ध्वनि यंत्रों का उपयोग होने पर तत्काल जप्ती की कार्रवाई की जाएगी। अश्लील एवं धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गीतों पर सख्त प्रतिबंध रहेगा।

बैठक में नगर निगम को साफ-सफाई, बिजली और पेयजल व्यवस्था,लोक निर्माण विभाग को मार्ग मरम्मत,पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था तथा स्वास्थ्य विभाग को आपातकालीन चिकित्सा दल और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी सदस्यों और नागरिकों को आगामी त्यौहारों की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सहयोग और समन्वय से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की अपील की।

प्रोजेक्ट के लिए प्रयोग में आने वाले मशीनों,प्रचालन की विधियों,एरियल सर्वे के लिए ड्रोन के संबंध में दी गई जानकारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में जारी नक्शा प्रोजेक्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर की उपस्थिति में गुरुवार को प्रशिक्षणार्थियों को नक्शा प्रोजेक्ट के लिए प्रयोग में आने वाले मशीनों जीएनएसएस रोवर (ट्रिएबल)/जीएनएसएस रोवर (लाईका), ईटीएस मशीन एवं उसके विभिन्न अंगों, उसके प्रचालन की विधियों के साथ-साथ फिचर एक्सट्रेक्शन के एरियल सर्वे के लिए ड्रोन के संबंध में जानकारी दी गई। पीजी कॉलेज मैदान में भौतिक सत्यापन के दौरान चयनित क्षेत्र का ऑर्थो रेक्टिफाइड इमेज प्राप्त हुआ। मैदान में ईटीएस मशीन,रोवर (ट्रिएबल)/रोवर (लाईका) का सेटअप कर शहरी क्षेत्रों में स्थित मकान, भवन, संस्थान के बाह्य क्षेत्रों रोवर रखकर कोऑर्डिनेट (अक्षांस, देशांश,एल्टीट्यूड) लेने की विधि के संबंध में विषय विशेषज्ञों एवं मास्टर

ट्रेनर्स श्री दीपचंद भारती द्वारा जानकारी दी गई। इसके पश्चात जिला कलेक्टरेट परिसर में ड्रोन फ्लाई कराया गया। जिसके उपरांत लिए गए फिचर एक्सट्रक्शन का अवलोकन कराया गया। ट्रेनर्स के द्वारा रोवर से दो कोआर्डिनेट लेकर ईटीएस के माध्यम से भवन के बिंदु किनारे रिफ्लेक्टर स्थापित कर बिंदु लिया गया। ईटीएस से ली गई बिंदुओं की दूरी को टेप से नापकर परिशुद्धता की जांच की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक एवं राम सिंह ठाकुर, जिला नोडल नक्शा प्रोजेक्ट श्रीमती उषा नेताम ,अधीक्षक भू अभिलेख श्रीमती दीपिका दुबे, श्रीमती स्मिता अग्रवाल,अम्बिकापुर तहसीलदार श्री उमेश्वर बाज,सहायक नोडल नक्शा प्रोजेक्ट शशांक दुबे,मास्टर ट्रेनर श्री अमितेश स्वर्णकार सहित नगर निगम क्षेत्र के पटवारी,राजस्व निरीक्षक,सहायक अधीक्षक भू अभिलेख उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर कलेक्टर विलास भोसकर ने दी शुभकामनाएं...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने शिक्षक दिवस के अवसर पर जिलेवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि यह दिन हमें उन शिक्षकों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने ज्ञान, धैर्य और समर्पण से न केवल विद्यार्थियों का भविष्य संवारा, बल्कि समाज को भी सही दिशा दी। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि समाज के निर्माता होते हैं। एक शिक्षक का प्रभाव किसी एक कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह पीढ़ियों को आकार देता है। उनके मार्गदर्शन से ही हमारे बच्चे अच्छे नागरिक बनते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। कलेक्टर श्री भोसकर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि इस अवसर पर हम सभी अपने जीवन में आए शिक्षकों को याद करें और उनका सम्मान करें। अपने बच्चों को भी शिक्षकों के प्रति आदर भाव रखने के लिए प्रेरित करें।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने मंत्रालय में कामकाज संभाला

-संवाददाता-
अंबिकापुर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

पर्यटन,संस्कृति,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज मंत्रालय महानदी भवन स्थित कार्यालय मे विधिवत पूजा अर्चना कर कामकाज की शुरूआत की। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल,विधायक श्री अनुज शर्मा,श्री संपत अग्रवाल,श्री प्रबोध मिंज,श्रीमती उद्धेश्वरी पैंकरा, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री रामप्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा एवं श्री पवन साय और वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दी। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव के मार्गदर्शन में राज्य में पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में काफी तेजी से कार्य करना है। राज्य में पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में काफी संभावनाऐं है। पर्यटन क्षेत्रों के विकसित होंने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेगें। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की मदद से राज्य में सड़क कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हो रहा है,इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

25 वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता हुआ शुभारंभ

विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया...

-संवाददाता-
जशपुरनगर,04 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

25 वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता 2025 का भव्य शुभारंभ आज एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने खेल ध्वज फहराकर प्रतियोगिता की शुभारंभ की घोषणा की। चार दिवसीय इस आयोजन में राज्य के पाँचों संभागों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग, 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिका वर्ग तथा 15 वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग के बीच हॉकी स्पर्धाओं का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में नेशनल हॉकी खिलाड़ी रहे श्री दाउद बरवा सहित सभी संभागों से आए खिलाड़ी, कोच, संयोजक और निर्णायक मंडल मौजूद थे। शुभारंभ अवसर पर मार्चपास्ट का आयोजन किया गया। सभी संभागों के खिलाड़ी फिल्ड मार्शल श्री ललित एक्का के अगुवाई में देशभक्ति की मधुर धुनों के साथ कदमताल मिलाकर चल रहे थे। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ खेलने की शपथ भी। शुभारंभ अवसर पर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है,जो युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना का विकास करता है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं

खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का सुनहरा अवसर प्रदान करती हैं। श्रीमती भगत ने सभी खिलाड़ियों खेल भावना से खेलने का आग्रह करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आगे चलकर आप बेहतर खिलाड़ी के तौर पर स्थापित हो और छत्तीसगढ़ और पूरे देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि जशपुर जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यहां के खिलाड़ियों ने हॉकी और एथलेटिक्स जैसे खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धियां हासिल कर राज्य और देश का गौरव बढ़ाया है। नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव ने अपने संबोधन में सभी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि जशपुर की मिट्टी में खेल का जुनून रचा-बसा है। यहां का वातावरण खिलाड़ियों को ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि खेल प्रतियोगिता के साथ-साथ वे जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन स्थलों का भी अनुभव करें। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ने स्वागत भाषण दिया और प्रतियोगिता की रूपरेखा के बारे में बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम में आए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में एसडीएम श्री विश्वास राव मस्के, डिप्टी कलेक्टर श्री हरिओम द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा,जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रमोद भटनागर,पार्षद विक्रांत सिंह, विष्णु सोनी,अमित साय,राहुल गुप्ता, नितीन राय सहित जनप्रतिनिधिगण और अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

CMYK

क्या सूरजपुर पचिरा टोल प्लाजा के कर्मचारी गुंडागर्दी पे उतारू?

सूरजपुर के व्यक्तियों से भी मांगा जाता है जबरदस्ती टोल जिस पर होता है विवाद

सूरजपुर के व्यक्ति ने 20 किलोमीटर से उसके घर की दूरी कम होने की वजह से टोल देने से किया इंकार तो कर्मचारी गुंडागर्दी आए,जिस पर हुआ विवाद

पुलिस भी एक तरफा कार्रवाई करती देखी...पीड़ित ने पुलिस के एक तरफा कार्रवाई का किया शिकायत

कई बार हो चुकी है थाने व प्रशासन के पास शिकायतें,पूर्व में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने आंदोलन भी किया पर कर्मचारियों के आदत में नही है सुधार

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,04 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारत में टोल नियमों के तहत,2021 से एनएचए आई के अनुसार अगर आपको टोल प्लाजा पर 10 सेकंड से ज़्यादा इंतजार करना पड़े,तो आपको टोल नहीं देना होगा। इसके अलावा,दो टोल प्लाजा के बीच कम से कम 60 किलोमीटर की दूरी होनी चाहिए। हाल के एक नियम के अनुसार,जीएनएसएस-आधारित टोल सिस्टम में, नेशनल हाईवे पर प्राइवेट वाहनों को पहले 20 किलोमीटर के सफर के लिए टोल नहीं देना होगा। पर इस नियम का पालन टोल प्लाजा पर होता नहीं दिखता है वहां के कर्मचारियों को न जाने किसका संरक्षण होता है कि वह गुंडागर्दी पर आ जाते हैं कई बार इसी वजह से टोल प्लाजा पर विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है, कुछ ऐसा ही सूरजपुर जिले के पचीरा टोल प्लाजा पर यह स्थिति निर्मित हो गई सूरजपुर निवासी इम्तियाज़ खान अपनी बेटीन को शादी के बाद विदा कर रहे थे और उसे छोड़ने जा रहे थे टोल प्लाजा में उनसे टोल मांगा गया जिस पर उन्होंने कहा कि मैं स्थानीय निवासी हूं टोल नहीं लगता है, जिस पर कर्मचारी विवाद करने लगे और टोल देने की बाध्यता बताने लगे

जिस पर विवाद इतना बढ़ गया कि तू तू मैं की स्थिति निर्मित हो गई। सूरजपुर से टोल प्लाजा की दूरी 15 किलोमीटर की है जो नियम से टोल नहीं लगना चाहिए पर इस नियम को दरकिनार करके टोल प्लाजा के कर्मचारी गुंडागर्दी पर उतर आए और प्रशासन से अपनी गलती छुपा कर वाहन मालिक की गलती बता करवाई की मांग करने लगे, वहीं पुलिस ने पूरे मामले को जाने बिना एक तरफा कार्यवाही का निर्णय ले लिया वाहन मालिक की शिकायत लेने से इनकार किया और टोल प्लाजा की शिकायत पर कार्यवाही करते दिखे। वाहन मालिक ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग में रेण नदी के पास बने पचिरा टोल प्लाजा लगातार सुर्खियों में रह रहा है। आये दिन लोगों से हुज्जतबाजी और टोल प्लाजा के बेलगाम कर्मचारियों को लेकर कई बार कलेक्टर,एसपी व थाने में शिकायत होने के बाद फिर एक बार परिवार के सदस्यों के साथ हुई लूटपाट और गाली-गलौज के मामले में शिकायत कोतवाली तक पहुंची है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार नगर के इम्तियाज खान की बिटिया का विवाह कुरूवां स्थित आनंद रिहंदम में था और मंगलवार को वाहनों की आवाजाही भी लगी हुई थी। विवाह हेतु उनकी बिटिया को जब ले जा रहे थे,तभी टोल गेट पर फास्ट टैग का पैसा खत्म होने के कारण वाहन आगे नहीं बढ़ी,जिस पर इम्तियाज खान ने नगद पैसा देने की बात कही तो टोल कर्मचारियों ने उनके साथ बदतमीजी करते हुए गाली-गलौज की और जब इम्तियाज खान ने इसका विरोध किया तो मारपीट पर उतारू हो गए और कर्मचारियों ने हाथों में हॉकी व डंडे ले लिए। प्रार्थी के कथन अनुसार उस दौरान उनकी पुत्री दुल्हन के वेष में गाड़ी में सवार थी और रिश्तेदार भी थे,परंतु टोल कर्मचारी नहीं माने और उससे छिना-छपटी करते हुए 18 हजार रूपए भी लूट लिये। प्रार्थी किसी तरह वहां से धक्का-मुक्की और हुज्जतबाजी के बीच अपनी बेटी को लेकर निकला और रात को विवाह के उपरांत दूसरे दिन सुबह कोतवाली पहुंचकर इस पूरे घटनाक्रम की सूचना थाने में दी। वहीं दूसरी ओर इस मामले में टोल कर्मचारियों ने भी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

आये दिन विवादों में रहता है टोल

पचिरा टोल आये दिन विवादों के कारण हमेशा लोगों की रडार पर रहता है। टोल कर्मचारियों की बदतमीजी और गाली-गलौज के कई मामले सोशल मीडिया पर भी वायरल होते रहते हैं। कई बार लोग लोक-लाज के भय के कारण अपमान का घुट पीकर टोल से निकल जाते हैं, जिससे टोल कर्मचारियों का मनोबल और बढ़ रहा है। टोल की शिकायतों को लेकर पूर्व में आंदोलन तक हो चुके हैं, परंतु एनएच के अधिकारियों और संबंधित विभाग की उदासीनता के कारण किसी दिन कहीं कोई बड़ा हादसा न घटित हो जाये।

तीन-तीन मार्ग होने के बाद आये दिन रहते हैं बंद

टोल में आवाजाही के लिए दोनों तरफ से तीन-तीन बैरियर लगे हैं, किन्तु कर्मचारियों व टोल ठेकेदार के द्वारा निरंकुश होकर कई बार आने-जाने के लिए महज एक-एक रास्ते को ही खोला जाता है और शेष रास्तों पर बेरिकेटिंग या ड्रम रखकर बंद कर दिए जाने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें भी लगती हैं और किसी वाहन चालक या स्वामी के द्वार कुछ बोला गया तो टोल कर्मचारी संगठित होकर तुरंत विवाद पर आमादा हो जाते हैं।

समय का भी नहीं रखा जाता है ध्यान

टोल प्लाजा पर समय बहुत महत्वपूर्ण होता है टोल प्लाजा में ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए यह व्यवस्था भी टोल प्लाजा की बनी हुई है फिर भी यह टोल प्लाजा में अक्सर गाड़ी मालिकों को टोल पार करने में समय लगता है दो-तीन गाड़ियां खड़ी हो जाती हैं क्योंकि टोल प्लाजा के कर्मचारी समय पर सर्विस नहीं दे पाते हैं कभी इनका कैमरा काम नहीं करता है तो कभी इनका स्कैनिंग काम नहीं करता है कभी सिस्टम में प्रॉब्लम रहता है पर विलंब होने के बाद भी बिना टोल दिए यह गाड़ी को जाने नहीं देते हैं इनके लिए नियम कायदे कानून सिर्फ बाने है पालन होता नहीं है।

प्रशासनिक अनदेखी से प्रधानमंत्री के आवास योजना जमीन पर धराशायी

-राजेन्द्र शमा-

खड़गवां,04 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

आवास मित्र ब्लाक समन्वयक अधिकारी ने जिस ग्राम पंचायत का हितग्राही है उस ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास नहीं बना रहा है उसके बाद भी उस हितग्राही का आवास मित्र एवं ब्लाक समन्वयक अधिकारी के द्वारा फर्जी जियोटैग से राशि का बंदरबांट कर ली है

ग्रामीणों का आरोप-आवास मित्र के द्वारा आवास निर्माण कार्यों में अनियमितता करने वाले आवास मित्र एवं ब्लाक समन्वयक अधिकारी ने कैसे जारी की किश्त और कैसे किया गया जियो टैग जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास ग्राम पंचायत खड़गवां में हितग्राही को प्राप्त हो रही है और प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास निर्माण कार्य ग्राम पंचायत रतनपुर में किया जा रहा है? इस मामले में आवास मित्र एवं ब्लाक समन्वयक अधिकारी ने हितग्राही को किश्त राशि जारी कराने के नाम पर लाभार्थियों से ली रकम जनपद पंचायत खड़गवां को यदि घोटालों का जनपद पंचायत कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नही होगी। क्योंकि यहां जिस विभाग की जांच कराई जाए तो चौकाने वाले घोटाले सामने आएंगे। जिसमे से एक विभाग जनपद पंचायत कार्यालय का प्रधानमंत्री आवास योजना है, जिसके अधीन पंचायतों में सरकार की योजनाएं पहुँचते- पहुँचते धराशायी हो जाती है। सरकार ने भ्रष्टाचार रोकने डीबीटी

(डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) की शुरुआत की, ताकि सरकारी योजनाओं के पैसे सीधे लाभार्थी के बैंक अकाउंट में जाए,साथ ही कार्यों में पारदर्शिता लाने ऑनलाइन डिजिटल भी किया गया है। लेकिन भ्रष्टाचारीओ ने इसका भी तोड़ निकाल लिया है। ऐसा ही मामला खड़गवां जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मुख्यालय खड़गवां में पात्र हितग्राही सुशीला प्रधान को प्रधानमंत्री आवास योजना का का आवास आवंटित हुआ है। और इस प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटित आवास का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत खड़गवां में नहीं किया जा रहा है इस प्रधानमंत्री आवाज का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत रतनपुर में किया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि आवास मित्र एवं ब्लाक समन्वयक अधिकारी के द्वारा किस तरह इस सुशीला प्रधान के आवास का ग्राम पंचायत खड़गवां से दो ग्राम पंचायत को छोड़कर तीसरे ग्राम पंचायत रतनपुर में जियो टैग कैसे कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने आवास मित्र एवं ब्लाक समन्वयक अधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है इस तरह के कई मामले इस जनपद पंचायत खड़गवां में हो रहे हैं जबकि इस तरह की शिकायते होने के बाद भी जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ गंभीरता से नहीं लेते हैं इससे ऐसा लगता है कि इनके सहयोग से जनपद पंचायत खड़गवां में धड़ल्ले से भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है?

जब यह मामला सार्वजनिक होने की स्थिति में जिम्मेदार वर्ग लीपापोती में जुट गए हैं,प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जीवाड़ा- फर्जी जियो टैकिंग का सहारा लेकर कई तरह के फर्जीवाड़े किये गये है बिना आवास निर्माण के निकाल ली पूरी

इस संबंध में जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ से जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि जांच कर कार्यवाही करेंगे।

रूपेश बंजारे
जनपद पंचायत खड़गवां सीईओ

राशि, जवाबदार लीपापोती में जुटे।

ग्रामीणों का आरोप है कि उनके ग्राम का आवास मित्र एवं ब्लाक समन्वयक अधिकारी निजी स्वार्थ सिद्धि की मानसिकता रखते हुए कार्य करते आ रहा है और सरकार की ओर से गरीब, जरूरतमंदों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ अपात्रों को पहुँचाया जा रहा है। मनरेगा के तहत कार्यों में भारी अनियमितता की गई है तो पीएम आवास में भी अपात्रों को लाभ दिलाया गया, वहीं आवास किश्त की राशि रिलीज कराने लाभार्थियों से जनपद अधिकारियों को देने के नाम पर 4000 से 5000 रुपये तक की रकम ली गई है एवं मांगी रकम नही देने पर पीएम आवास की किश्त आने में देरी होने की बात बताई जाती है। ग्रामीणों ने इसकी जांच व उचित कार्रवाई की मांग की है।

जब सरकार ने आवास योजना पर सारा फोकस कर रखा है फिर भी प्रशासन को ऐसे भ्रष्टाचार मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेने की आवश्यकता है,नही तो भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को बल मिलेगा तथा सरकार की इस योजना का बंटाधार होते देर नही लगेगी।

प्रभारी उप संचालक पंचायत कोरिया ऋतु साहू का अंबिकापुर हुआ तबादला

अपनी कार्यप्रणालियों को लेकर सुर्खियों में रहने वाली प्रभारी उप संचालक ने लगाया जुगाड,पहुंच गईं बड़े जिले में

-संवाददाता-

कोरिया,04 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत कोरिया में प्रभारी उप संचालक पंचायत पद पर पदस्थ ऋतु साहू का तबादला अंबिकापुर के लिए किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय रायपुर द्वारा जारी आदेश के तहत यह तबादला किया गया है और इस तबादला सूची में अन्य कई अधिकारियों का तबादला किया गया है। जारी तबादला सूची में कोरिया जिले के जिला पंचायत की प्रभारी उप संचालक पंचायत ऋतु साहू का नाम होने से और तबादला कोरिया से अंबिकापुर किए जाने से यह चर्चा जिले में जारी हो गई है कि बड़े स्तर का जुगाड लगाकर यह तबादला कराया गया है और इसीलिए बड़े जिले में तबादला हो सका है। ऋतु साहू कोरिया जिले में रहते हुए अपनी कार्यप्रणाली के लिए सुर्खियों में रहती थीं और कई बार उनका नाम भ्रष्टाचार से भी जोड़ा गया जिसमें जांच भी गठित होने की बात सामने आई थी। बताया जाता है कि एक सप्लाई मामले में प्रभारी उप संचालक जिला पंचायत कोरिया ऋतु साहू अपने चहेते फर्म को जिम्मेदारी प्रदान करने के लिए सुर्खियों में भी आई थीं। वैसे यह बताया जाता है कि यदि प्रभारी उप संचालक जिला पंचायत कोरिया ऋतु साहू के कार्यालय कोरिया जिले के कार्यकाल की जांच की जाएगी तो कई अनियमिताएं और भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो सकते हैं जिसमें उनकी संलिप्तता पाई जा सकती है।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने भगवान गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थल छठ घाट का किया निरीक्षण

सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर दिया सख्त निर्देश

-संवाददाता-

सूरजपुर,04 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

गणेश उत्सव के समापन अवसर पर होने वाले भगवान गणेश जी के विसर्जन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय है। गुरूवार,04 सितम्बर 2025 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने भगवान गणेश जी के प्रतिमा विसर्जन स्थल सूरजपुर के रेड नदी छठ घाट का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम,होमगार्ड के प्रशिक्षित तैराकों की तैनाती,अस्थाई कन्ट्रोल रूम बनाने एवं विसर्जन स्थल पर प्रकाश की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए है। विसर्जन के दौरान भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था दुरूस्त रखने और इस दौरान श्रद्धालुओं की हर संभव सुविधा सुनिश्चित कराने को लेकर यह निरीक्षण किया गया ताकि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में श्रद्धा और उत्साह के साथ बप्पा का विसर्जन कर सकें। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो भी मौजूद रहे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-27/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फुलकंवर बेवा घरभरन व अन्य निवासी ग्राम माझापारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम माझापारा स्थित खसरा नंबर 190/1,267/1, 267/2, 268/4, 290/3, 290/8, 290/10, 329/4, 472/1, 472/5, 614/3, 689/2 कुल खसरा नंबर 12 कुल रकबा 0.789 हे भूमि को उभयपक्ष के मध्य 1/6 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 06/10/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-02/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अधिकापुर.सरगुजा

छ0ग0 शासन वनविभाग बिलासपुर,वनमंडल बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोटा काष्ठागार नीलाम की संक्षिप्त सूचना

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बिलासपुर वनमण्डल बिलासपुर के अधीनस्थ काष्ठागार कोटा बिलासपुर में उपलब्ध ईमारती लकड़ी (काष्ठ, जलाऊ) एवं बांस का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय बिलासपुर अथवा काष्ठागार कोटा डिपो से प्राप्त कर सकते है ।

डिपो का नाम - विक्रय काष्ठागार कोटा
नीलाम दिनांक - 11/09/2025
समय - 9.00 बजे प्रातः से

वनोंपज की अनुमानित मात्रा निम्नानुसार है -

क्र0	प्रजाति	नया			पुराना				
		लट्ठा	बल्ली/खूंटा	जलाऊ	लट्ठा	बल्ली/खूंटा	जलाऊ	व्यापारी/औ.बांस	
		घ.मी.	नग	चट्टा	घ.मी.	नग	चट्टा	नग	नो. टन
1	सागोन	79.380	1243	-	126.863	1136	-	-	-
2	साल	-	-	-	85.385	267	-	-	-
3	बिजा,तिंसा,शीशम	-	-	-	17.902	47	-	-	-
4	साजा	0.257	2	-	36.854	251	-	-	-
5	हल्दू/मुड़ी	-	-	-	188.502	17	-	-	-
6	खम्हार	-	-	-	-	669	-	-	-
7	धावड़ा	0.455	6	-	51.232	100	-	-	-
8	सलई	-	-	-	1.923	-	-	-	-
9	अन्य	1.131	-	-	203.431	2573	-	-	-
10	जलाऊ	-	-	-	-	-	807	-	-
11	व्यां. बांस	-	-	-	-	-	-	1691	3.561
12	औद्योगिक बांस	-	-	-	-	-	-	1620	1.350
13	निरस्त लॉट	-	-	-	6.866	-	-	-	-
	योगः-	81.223	1251	-	718.958	4960	807	331	4.911

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य हैं।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते हैं।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

वनमंडलाधिकारी
बिलासपुर वनमण्डल, बिलासपुर,छत्तीसगढ़

जी.नं.-252603217/4

CMYK

पूर्ववर्ती सरकार में कोरिया का विभाजन...

वर्तमान सरकार में 46 साल पुराने महाविद्यालय के जमीन का विभाजन

कोरिया का काला इतिहास न बन जाए ?

46 साल पुराने महाविद्यालय के कब्जे वाली जमीन में जबरदस्ती पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाने का निर्णय कितना सही ?

जनविरोध और जबरन जुटाए जा रहे जनसमर्थन के बीच नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण का मुद्दा फिलहाल सुर्खियों में...

सत्तापक्ष,प्रशासन एक तरफ निर्णय को लेकर अडिग,महाविद्यालय प्रबंधन,छात्र सहित विपक्ष विरोध निर्णय के विरोध में

अन्यत्र भी बनाया जा सकता है पुलिस अधीक्षक कार्यालय,मामला अब चूंकि अहम का इसलिए निर्णय बदला जाएगा संभव नहीं

क्या जनप्रतिनिधि सहित मौजूदा प्रशासन चाहते हैं कि छात्र महाविद्यालय परिसर में भी भयभीत रहें ?

महाविद्यालय परिसर में बनने वाला पुलिस अधीक्षक कार्यालय छात्रों की स्वतंत्रता और व्यक्तित्व के विकास में बाधक तो नहीं ?

कॉलेज कैंपस छात्र के लिए यादगार होना चाहिए किसी पुलिस के कार्यालय के लिए उसमें कोई जगह नहीं है...

परिसर के भीतर कोई खंडहर भी है तो वह छात्रों के उपयोग की संपत्ति है पुलिस विभाग के लिए नहीं...फिर भी आनन फानन में तोड़ा गया...

वहां छात्रों के लिए ही कुछ बनाया जा सकता है,पुलिस अधीक्षक के लिए कार्यालय नहीं...

पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाने के लिए कब्जा हो रहा है या फिर वहां पर बनाने की जिद है ?

जब कार्यालय बना इतना ही सही है तो फिर विरोध से रोक क्यों रही है प्रशासन ?

जब सभी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाने की आपत्ति लगे तब प्रशासन को दिक्कत नहीं हुआ आज कॉलेज की जमीन पर आपत्ति लगाई जा रही है तो प्रशासन विचलित क्यों है ?

सवाल है कि किसी शैक्षणिक संस्था के परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाया जाना कहां तक उचित है ?

पुलिस पेट्रोल पम्प

-रवि सिंह-

कोरिया,04 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में महाविद्यालय परिसर में नए पुलिस अधिक्षक कार्यालय निर्माण का मामला अजीब मोड पर जा पहुंचा है,एक तरफ जन विरोध है दूसरी तरफ जुटाया जा रहा जबरन जन समर्थन,जन विरोध जिले के उच्च शिक्षण संस्थान सहित छात्र हित की के लिए खड़ा नजर आ रहा है वहीं जन समर्थन जो जबरन जुटाया जा रहा है वह जन विरोध के विरुद्ध है। महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के नए भवन के लिए जारी जन विरोध राजनीतिक रूप से भी अब एक मुद्दा बन चुका है जिसमें प्रमुख विपक्षी दल भी कूद पड़ा है और वह लगातार छात्रों के साथ खड़े होने और हर परिस्थिति में साथ देने की बात कर रहा है। इस बीच जिला प्रशासन अडिग है और वह निश्चिंत है उस जन समर्थन के साथ जो उसने प्रयास से खड़ा किया है और वह यह मानकर चल रहा है कि महाविद्यालय परिसर में वह नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण कर ले जाएगा। वैसे महाविद्यालय प्रबंधन खुद वह भी दो दो महाविद्यालय प्रबंधन महाविद्यालय परिसर में नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण को अनुचित बताते हुए इसे महाविद्यालय विकास में अवरोध बता चुका है और उनके इस अनुरोध पत्र को कोई तवज्जो नहीं दिया गया,यह भी देखा गया है जबकि इसी तरह जब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए न्यायालय परिसर सहित नगर पालिका क्षेत्र की एक खाली पड़ी भूमि पर निर्माण की बात की गई तब न्यायालय सहित नगर पालिका की आपत्ति पर निर्णय बदला गया और अंतिम में महाविद्यालय परिसर की भूमि को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए तय किया गया।

वैसे न्यायालय साहित नगर पालिका की आपत्ति जिस तरह तत्काल स्वीकार की गई उसी तरह महाविद्यालय प्रबंधनों की आपत्ति भी स्वीकार की जानी थीं और महाविद्यालय परिसर से अन्यत्र जाकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण किया जाना था। पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण और पुराने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के विस्थापन मामले में एक विषय और ध्यान देने योग्य है और वह यह है कि वर्तमान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय लगभग 25 डिसमिल भूमि पर बने भवन में संचालित है और ऐसा 27 सालों से ही संचालन है और इस बीच जिले का विभाजन भी हुआ और पांच विकासखंड वाले कोरिया जिले के हिस्से में दो ही विकासखंड आए और पुलिस थाने के हिसाब से चार ही पुलिस थाने जिले के हिस्से में आए। अब जब 10 पुलिस थाने वाले जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय का संचालन दो दशकों से ज्यादा समय तक 25 डिसमिल भूमि पर बने भवन से हो गया ऐसे में कुल चार पुलिस थाने वाले जिले के लिए अब एक एकड़ पच्चीस डिसमिल जमीन की क्यों आवश्यकता पड़ रही है यह बड़ा सवाल है। पुलिस अधीक्षक कोरिया के नए भवन के लिए 25 डिसमिल की जगह कुछ बढ़ाकर 40 डिसमिल तक की जमीन भी काफी होती लेकिन जब भूमि आबंटन की बारी आई एक एकड़ पच्चीस डिसमिल जमीन दे दी गई नए कार्यालय के लिए।

मानस भवन के बगल की भूमि पर क्यों नहीं बनाया गया नया कार्यालय

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए पूर्व में मानस भवन के बगल की वह भूमि तय की गई थी जिसपर कभी अधिकरियों का आवास हुआ करता था जो अब अस्तित्व में नहीं है,मानस भवन के बगल की भूमि नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए पर्याप्त होती और जब भवन निर्माण उपरांत भवन में प्रवेश की बात होती तब पुराने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बिल्कुल बगल में होने के कारण आसानी से सभी सामानों के साथ प्रवेश में आसानी भी होती। मानस भवन के बगल की भूमि बिलकुल उपयुक्त होने के बाद भी वहां नहीं बनाया जाना कार्यालय एक सवाल है और ऐसा निर्णय क्या केवल भूमि की अधिक आवश्यकता के कारण हुआ यह भी सवाल है।

नगर पालिका की जमीन पर केवल नगर पालिका की आपत्ति के कारण पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए नहीं आबंटित की गई जमीन

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के नए भवन के लिए नगर पालिका की भी जमीन देखी गई थी,इसका प्रस्ताव भी तैयार हुआ था लेकिन तब नगर पंचायत से आपत्ति लगाई गई और उक्त जमीन पर व्यावसायिक परिसर बनाए जाने की बात कहते हुए आपत्ति की गई और आपत्ति लगते ही निर्णय बदल दिया गया। नगर पालिका की आपत्ति से ही तय हो गया कि नए पुलिस अधिक्षक कार्यालय के लिए अलग स्थान का किया जाएगा चयन और तब नगर पालिका से लगाई गई आपत्ति को स्वीकार किया गया था।

पुलिस लाइन के समीप की भूमि पर भी बनाया जा सकता था नया पुलिस अधीक्षक कार्यालय

नया पुलिस अधीक्षक कार्यालय नए पुलिस लाइन कार्यालय के समीप भी बनाया जा सकता था।ऐसा इस तरह भी सम्भव था कि वहां स्थित वह भूमि जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक शालाएं संचालित हैं वहां जमीन खाली है जो उपयोग में लाई जा सकती थी और ऐसे में पुलिस लाइन और पुलिस अधीक्षक कार्यालय एक साथ एक जगह स्थापित हो जाता और अलग अलग जगह कार्यालयों के संचालन की आवश्यकता नहीं पड़ती। बताया जाता है कि इस संबंध में भी विचार किया गया था और विचार उपरांत किन्ही कारणों वश निर्णय बदला गया था और कार्यालय के लिए नए जमीन की तलाश फिर से शुरू की गई थी।

महाविद्यालय प्रबंधनों की आपत्ति मात्र पर नहीं किया गया विचार,आपत्ति उपरांत भी पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए परिसर की जमीन दिए जाने का निर्णय

महाविद्यालय प्रबंधन मात्र एक ऐसा प्रबंधन जिले में साबित हुआ जिसकी आपत्तियां जिला प्रशासन की तरफ से खारिज की गई,अन्य सभी आपत्तियां स्वीकार की गई और महाविद्यालय वह भी दो दो महाविद्यालय प्रबंधन के लिखित निवेदन को जिला प्रशासन ने दरकिनार करते हुए नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए महाविद्यालय परिसर की ही भूमि दिए जाने का निर्णय निश्चित किया। महाविद्यालय प्रबंधनों ने जबकि छात्र हित महाविद्यालय हित की बात बताते हुए भविष्य में महाविद्यालय के विस्तार प्रभावित होने सहित वर्तमान में कक्षाओं के संचालन में आने वाली दिक्कतों को स्पष्ट रूप से उल्लेखित करने के बाद भी जिला प्रशासन ने उन पर विचार नहीं किया और महाविद्यालय परिसर की भूमि को ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए प्रदान किया जाना तय किया।

छात्रहित,शिक्षाहित और उच्च शिक्षाहित क्या जनप्रतिनिधियों सहित जिला प्रशासन के लिए बेमाने

जिला प्रशासन सहित चुने हुए जिले के जनप्रतिनिधियों ने भी नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए महाविद्यालय परिसर की जमीन को ही सबसे उपयुक्त और उपयोगी माना है इसलिए आबंटन किया जाना उनका सही निर्णय वह बतला रहे हैं। क्या जनप्रतिनिधियों सहित जिला प्रशासन के लिए छात्रहित,शिक्षाहित,उच्च शिक्षा हित का मामला बेमाने है। जब नगर पालिका की आपत्ति दर्ज हुई,न्यायालय की आपत्ति दर्ज हुई सूत्रों की माने तो स्वास्थ्य विभाग ने भी एक मामले में आपत्ति की वह भी दर्ज हुई सभी में निर्णय आपत्तियों के पक्ष में दिया गया जबकि दो दो महाविद्यालय के प्राचार्यों की आपत्ति नजर अंदाज की गई।

एक एकड़ से अधिक भूमि आखिर क्यों चाहिए नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए,क्या हेलीपैड भी बनाया जाएगा कार्यालय के समीप

नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए एक एकड़ पच्चीस डिसमिल जमीन आबंटित की गई है महाविद्यालय परिसर की,वर्तमान में पुराना कार्यालय केवल पच्चीस डिसमिल भूमि पर ही स्थापित है,अब ऐसे में सवाल यह है कि क्या ज्यादा भूमि हेलीपैड के निर्माण के हिसाब से भी दिया जा रहा है। यदि हेलीपैड निर्माण की बात सही है तो ऐसे में आए दिन हेलीपेड होने के कारण महाविद्यालय परिसर में अतिरिक्त सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का नजारा देखने को मिलेगा और शिक्षा व्यवस्था बाधित होगी।

पुलिस पेट्रोल पंप के स्थान पर भी बनाया जा सकता था पुलिस अधीक्षक कार्यालय

पुलिस लाइन के समीप घनी आबाद क्षेत्र में पुलिस पेट्रोल पंप जिस स्थान पर बनाया गया है उस स्थान पर भी पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनाया जा सकता था पर उस समय पुलिस अधीक्षक कार्यालय को लेकर कोई भी जागरूक नहीं था,वहां पर अब पेट्रोल पंप खुल चुका है यदि वहां पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय बन गया होता तो सारी चीज एक जगह पर व्यवस्थित हो जाती पर ऐसा क्यों नहीं किया गया? यह भी बहुत बड़ा सवाल है क्या दूर दृष्टि नहीं रखी गई या फिर उस समय पुलिस अधीक्षक कार्यालय की आवश्यकता नहीं थी और अब अचानक पुलिस अधीक्षक के हाईटेक कार्यालय बनाने की आवश्यकता कैसे पड़ने लगी?

दुर्गा पंडाल के सामने शादी घर से अधिक जरूरी है पुलिस अधीक्षक कार्यालय

शहर के बीचो-बीच दुर्गा पंडाल के सामने जहां पर नगर पालिका शादी घर बनाना चाह रहा था क्या उस स्थान पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय नहीं बनाया जा सकता? क्या वह स्थान सही नहीं है या फिर शादी घर ही नगर पालिका के लिए अत्यंत आवश्यक है? पुलिस अधीक्षक कार्यालय उनके लिए आवश्यक नहीं, नगर पालिका ने कई बार अपने अनुरूप आपत्ति दर्ज कर के स्थान परिवर्तन कराया है,क्या उस समय के सत्ताधारी या विपक्ष पुलिस अधीक्षक कार्यालय बनवाने के लिए जागरूक नहीं थे? आज अचानक इतनी जागरूकता या आवश्यकता कैसे पड़ गई? नगर पालिका में भी भाजपा की सरकार है फिर भी निर्णय क्यों नहीं हुआ, नगर पालिका व अन्य विभाग की आपत्ति प्रशासन सुनता है पर महाविद्यालय के प्राचार्य की आपत्ति प्रशासन को सुनने का अधिकार नहीं या फिर सुना नहीं चाहते थे?

क्या सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अपनी जमीन बनाने में थे व्यस्त
इस वजह से महाविद्यालय की भूमि आज तक नहीं हुई महाविद्यालय के नाम जमीन ?

लोकसभा सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र,पुलिस अधीक्षक कार्यालय महाविद्यालय परिसर में बनाए जाने का किया विरोध

लोकसभा सांसद कोरबा संसदीय क्षेत्र जिस क्षेत्र में कोरिया जिला भी आता है ने मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निर्णय को बदलने की मांग की है,उन्होंने कहा है कि महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निर्माण महाविद्यालय के विस्तार के लिए सही नहीं है उसमें बाधक है,उन्होंने यह भी कहा है कि आदिवासी समुदाय बाहुल्य जिले में ऐसा निर्णय आदिवासी समुदाय के छात्र छात्राओं के हितों के हिसाब से अनुकूल नहीं है और इससे शासन की मंशा पर सवाल खड़ा होता है वहीं इस निर्णय से शिक्षा का अधिकार अधिनियम भी प्रभावित होता नजर आता है। इस निर्णय के संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि निर्णय में बदलाव लाते हुए तत्काल निर्माण को बंद करने का निर्देश जारी करने की कार्यवाही करें।

महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से छात्रों की स्वतंत्रता होगी बाधित,महाविद्यालय प्रबंधन सहित छात्रों की यह भी है चिंता

महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण से महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राओं की स्वतंत्रता भी बाधित होगी यह महाविद्यालय प्रबंधन की भी चिंता है छात्रों की भी चिंता है,महाविद्यालय में छात्रों को एक स्वतंत्र माहौल मिलता है जब वह विद्यालय से अध्ययन उपरांत महाविद्यालय पहुंचते हैं,वह नए स्वतंत्र माहौल में शिक्षा सहित समाज से बेहतर जुड़ते हैं,यदि वह अपने स्वतंत्र माहौल में बाधा महसूस करेंगे वह निश्चित निराश होंगे, महाविद्यालय में होने वाले विभिन्न कार्यकमों के दौरान भी भीड़भाड़ सहित कई ऐसी व्यवस्थाएं होंगी जिससे कई बार हो हल्ला होगा जो पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए असहनीय होगा वह रोक टोक भी करेंगे,अब इन विषयों को देखा जाए तो कहीं से उचित नहीं है महाविद्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण का और इस मामले में महाविद्यालय प्राचार्यों की आपत्तियां स्वीकार की जानी चाहिए।

पुराने तहसील कार्यालय की जमीन पर भी बनाया जा सकता है पुलिस अधीक्षक कार्यालय

पुलिस अधीक्षक कार्यालय का नया भवन पुराने तहसील कार्यालय की भूमि पर भी बनाया जा सकता है। यह निर्माण भी पुलिस कार्यालय के बिल्कुल बगल में होगा यदि ऐसा हुआ तो और जब भवन में प्रवेश की बात होगी बड़ी आसानी से यह संभव हो सकेगा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के नए भवन के निर्माण के तत्काल पश्चात पुराने पुलिस अधीक्षक कार्यालय की जगह तहसील भवन बनाया जा सकता है। इस तरह बिना किसी आपत्ति और जन विरोध का सामना किए एक बेहतर निर्णय प्रशासन जिले के विकास के हिसाब से ले सकता है।

न्यायालय की जमीन पर बनना था पुलिस अधीक्षक कार्यालय,कलेक्टर पुलिस अधीक्षक ने किया था प्रयास,आपत्ति उपरांत मामला गया था ठंडे बस्ते में...

नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए न्यायालय की उस भूमि को भी उपयुक्त माना गया था जिसपर पहले न्यायालय भवन बना हुआ था जो भवन अब अस्तित्व में नहीं है और जर्जर होकर धराशाई हो चुका है,उक्त भूमि पर नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण के लिए कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने माननीय न्यायधीश महोदय से मुलाकात भी की थी लेकिन उक्त भूमि को न्यायालय की तरफ से नहीं प्रदान किए जाने के निर्णय के बाद जिला प्रशासन ने वहां भी नए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण से पीछे हटने का निर्णय लिया था और नए सिरे से पुनः जमीन की तलाश जारी की गई और कई जगह की तलाश के बाद महाविद्यालय परिसर की भूमि को उपयुक्त मानकर वहीं नए निर्माण के लिए प्रयास आरंभ किए गए।

लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली, 04 सितम्बर 2025 (ए)। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने सभी प्रारूप से संन्यास के ऐलान किया। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 के रूप में खेला था। उन्होंने भारत की ओर से 22 टेस्ट, 36 वनडे, और 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने भारतीय टीम से सभी प्रारूप को मिलाकर 150 से अधिक विकेट लिए हैं।

एक द्विपक्षीय सीरीज में मिश्रा ने लिए थे 18 विकेट

2013 में मिश्रा ने जिम्बाब्वे में 5 मैचों की सीरीज में 18 विकेट लिए थे। वह किसी द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने थे। उन्होंने जवागल श्रीनाथ के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। मिश्रा ने बांग्लादेश में 2014 के टी-20 विश्व कप में भी हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने 14.70 की औसत और 6.68 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए थे। भारतीय टीम उस संस्करण में उपविजेता रही थी।

ऐसा रहा अमित मिश्रा का अंतरराष्ट्रीय करियर : मिश्रा ने भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 22 टेस्ट खेले, जिसमें 35.72 की औसत के साथ 76 विकेट चटकाए थे। उन्होंने 36 वनडे में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 23.60 की औसत के साथ 64 विकेट अपने नाम किए थे। इस बीच उन्होंने 2 पारियों में 5 विकेट हॉल लिए थे। उन्होंने 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 6.31 की इकॉनमी रेट से 16 विकेट चटकाए थे। वह घरेलू क्रिकेट में हरियाणा से खेलते थे।

आईपीएल में 3 हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज हैं मिश्रा : मिश्रा आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक तीन हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज हैं। उनकी पहली हैट्रिक 2008 के उद्घाटन संस्करण में डेक्कन चार्जर्स (5/17) के खिलाफ आई थी। इसके बाद 2011 और 2013 में भी ये कारनामा किया था। अपने आईपीएल करियर में उन्होंने 162 मैचों में 23.82 की औसत और 7.37 की इकॉनमी रेट के साथ 174 विकेट लिए थे। एक पारी में उन्होंने 5 विकेट हॉल भी लिया था।

मिश्रा ने बीसीसीआई का आभार व्यक्त किया

मिश्रा ने इस बारे में कहा,क्रिकेट में मेरे जीवन के ये 25 साल यादगार रहे हैं। मैं बीसीसीआई,हरियाणा क्रिकेट संघ, सहयोगी स्टाफ, अपने साथियों और अपने परिवार के सदस्यों का तहे दिल से आभारी हूं जो इस दौरान मेरे साथ रहे। मैं उन प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने मुझे जब भी और जहां भी खेला। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025:रुतुराज गायकवाड़ ने सेमीफाइनल मुकाबले में लगाया शतक

नई दिल्ली, 04 सितम्बर 2025 (ए)। इस समय खेली जा रही दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की टीम के रुतुराज गायकवाड़ ने सेंट्रल जोन के खिलाफ बेहतरीन शतक लगाया। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का 8 वां शतक रहा। इस बीच उन्होंने तीसरे विकेट के लिए आर्य देसाई के साथ मिलकर 82 रन की साझेदारी भी की। देसाई ने 39 रन की पारी खेली।

ऐसी रही गायकवाड़ की पारी : टॉस जीतकर पहले खेलते हुए वेस्ट जोन ने जब 10 रन के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट खोया, तब गायकवाड़ क्रीज पर आए। उन्होंने मुश्किल घड़ी में टीम को संकट से उबारा। एक छोर से टिककर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने पहले दिन के दूसरे सत्र के दौरान 131 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वेस्ट जोन की ओर से यशस्वी जायसवाल (4) और श्रेयस अय्यर (25) जैसे बड़े नाम अच्छी पारी नहीं खेल सके।

ऐसा है गायकवाड़ का प्रथम श्रेणी करियर : गायकवाड़ का प्रथम श्रेणी करियर शानदार रहा है। उन्होंने 39 मैचों की 66 पारियों में 2,700 से अधिक रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 8 शतक और 14 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वोच्च स्कोर 195 रन रहा है। अपने लिस्ट, क्रिकेट करियर में उन्होंने 56.15 की उम्दा औसत के साथ 4,324 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 16 शतक और 17 अर्धशतक लगाए हैं। रुतुराज ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 6 वनडे खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 19.16 की औसत और 73.24 की स्ट्राइक रेट से 115 रन बनाए है। उन्होंने 1 अर्धशतक भी लगाया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 23 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया,जिसमें 39.56 की औसत और 143.53 की स्ट्राइक रेट के साथ 633 रन बनाए थे। उन्होंने 1 शतक और 4 अर्धशतक भी लगाए थे।

ईडी ने पूर्व क्रिकेटर धवन से पूछताछ की सट्टेबाजी एप के प्रचार का मामला

नई दिल्ली, 04 सितम्बर 2025 (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी शिखर धवन ऑनलाइन बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए। धवन दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए पहुंचे। उन्हें ईडी ने नोटिस भेजा था और अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा था। इस केस में सुरेश रैना, हरभजन सिंह और युवराज सिंह से ईडी पहले ही पूछताछ कर चुकी है। टीम इंडिया के ओपनर रहे शिखर ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया था। टीम इंडिया के ओपनर रहे शिखर ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया था। शिखर पहली बार 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम में शामिल हुए थे। 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने आखिरी वनडे खेला था। उसके बाद से उन्हें टीम इंडिया में जगह नहीं मिली थी। शिखर ने 2011 में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 में डेब्यू किया था। टेस्ट टीम में उन्हें 2013 में जगह मिली। 34 टेस्ट में 40.61 के औसत से धवन ने 2315 रन बनाए। 167 वनडे मैचों में 44.11 के औसत से 7436 रन बनाए। वहीं, 68 टी-20 मैचों में उन्होंने 27.92 के औसत से 1759 रन बनाए हैं।

यूएस ओपन:युकी भांबरी मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में

पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के टॉप-4 में पहुंचे,2015 में पेस-सानिया ने मिक्स्ड डबल्स जीता था

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। भारतीय टेनिस स्टार युकी भांबरी और उनके न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस ने यूएस ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। न्यूयॉर्क के कोर्ट 17 पर खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उन्होंने 11वीं वरीयता प्राप्त निकोला मेक्टिक और राजीव राम की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6, 6-3 से हराया। 33 साल के भांबरी,जो वर्ल्ड डबल्स रैंकिंग में 32 वें स्थान पर हैं,भारत के टॉप डबल्स खिलाड़ी हैं। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम डबल्स सेमीफाइनल है। इससे पहले 2024 में यूएस ओपन में वह फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। भांबरी के पास 2015 के बाद यूएस ओपन जीतने वाले पहले भारतीय बनने का मौका है,जब लिएंडर पेस ने मिश्रित युगल और सानिया मिर्जा ने महिला युगल का खिताब जीता था। वहीं,विमेंस सिंगल्स में आठवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने इगा स्वियाटेक को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

प्री क्वार्टर फाइनल में केविन क्राविएटज और टिम पुटज को हराया : युकी ने अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल फाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने और वीनस ने प्री क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी केविन क्राविएटज और टिम पुटज को केवल 1 घंटे 23 मिनट में 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया था।

भारत का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात

जियोहॉटस्टार से बातचीत में युकी ने यूएस ओपन में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हमारे देश में टेनिस का एक समृद्ध इतिहास रहा है, जिसमें विजय अमृतराज, रमेश कृष्णन, लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना जैसे दिग्गज शामिल हैं। सबसे बड़ा दबाव अक्सर अपने भीतर से आता है, क्योंकि मैं हमेशा कोर्ट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

अमांडा अनिसिमोवा ने इगा स्वियातेक से लिया बदला

वहीं विमेंस सिंगल्स में अमेरिका की आठवीं वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 6-4, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ ही अनिसिमोवा ने विंबलडन फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। जुलाई में विंबलडन फाइनल में स्वियातेक ने उन्हें 6-0, 6-0 से पराजित किया था।

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर का भारत बनाम सिंगापुर मैच बेंगलुरु से गोवा शिफ्ट

नई दिल्ली,04 सितम्बर 2025 (ए)। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का एएफसी एशियन कप 2026 क्वालीफायर ग्रुप-सी मुकाबला अब बेंगलुरु की जगह गोवा में खेला जाएगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआई एफएफ) ने गुरुवार को पुष्टि की कि यह मैच 14 अक्टूबर को फातोर्डा स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा। भारत और सिंगापुर के बीच अक्टूबर की अंतरराष्ट्रीय विंडो में दो मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मैच 9 अक्टूबर को सिंगापुर के नेशनल स्टेडियम,काल्लांग में होगा,जिसके बाद दोनों टीमें दूसरे लेग के लिए गोवा रवाना होंगी। यह मुकाबला पहले बेंगलुरु के श्री कांतीरावा स्टेडियम में होना तय था, लेकिन लॉजिस्टिक समस्याओं के चलते इसे शिफ्ट करना पड़ा। कर्नाटक राज्य फुटबॉल संघ के अध्यक्ष एनए हारिस ने कहा, कांतीरावा स्टेडियम का इस्तेमाल एथलेटिक्स समेत कई खेलों के लिए होता है। फुटबॉल मैच के लिए हमें मैदान तैयार करने में समय चाहिए। यह मैच अचानक हमें अलॉट हुआ था। हमें दुख है कि मैच कहीं और शिफ्ट हो गया, लेकिन यह हमारे हाथ में नहीं है। हारिस ने आगे बताया कि बेंगलुरु में जल्द ही एक नया आधुनिक फुटबॉल स्टेडियम तैयार होगा। गौरतलब है कि भारत अभी तीसरे दौर के क्वालीफायर में जीत से वंचित है। टीम ने पहले बांग्लादेश से 0-0 की ड्रॉ खेली और फिर हांगकांग से 0-1 से हार झेली। यह मुकाबला कोच मनोलो मार्क्वेज का आखिरी मैच था, जिसके बाद खालिद जमील ने टीम की जिम्मेदारी संभाली।

मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की,वह मेरे डीएनए में ही नहीं

सोशल मीडिया वाली स्टारडम बेइमानी:सुरवीन चावला

हेट स्टोरी 2 जैसी बोल्ड फिल्म से डेब्यू करने वाली सुरवीन चावला ने अग्ली, पार्च्ड, सेक्रेड गेम्स जैसी लीक से हटकर फिल्में और सीरीज करके बतौर ऐक्टर अपनी अलग जगह बनाई है। इस साल चार वेब शोज क्रिमिनल जस्टिस 4,मंडला मर्डर्स, राणा नायडू 2 और अंधेरा में नजर आईं।

आपने हेट स्टोरी 2,पार्च्ड से लेकर सेक्रेड गेम्स और हालिया शो अंधेरा तक में हमेशा बोल्ड और लीक से हटकर किरदार चुने हैं। क्या पैमाना रहता है आपका किरदार चुनने का?

मेरे पास आते ही ऐसे आड़े-टेढ़े रोल हैं, वरना मेरा सिंपल, नाच-गाने वाला हल्का-फुल्का काम करने का बहुत मन करता है। वो जो हार्ड कोर कमर्शल फिल्में होती हैं ना,वो मेरा फेवरिट है। मैंने पंजाबी और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं ऐसी मेनस्ट्रीम नाच-गाने वाली लव स्टोरी फिल्में की भी बहुत हैं, मगर अभी कॉन्टेंट थोड़ा अलग हो गया है। डार्क कॉन्टेंट ज्यादा बन रहा है, पर मैं बतौर दर्शक हल्का-फुल्का कॉन्टेंट देखना भी चाहूंगी और उसका हिस्सा भी बनना चाहूंगी। मेरा मानना है कि आप शुरू में जैसा काम करते हैं, वैसा ही आगे मिलता है और मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की। वह मेरे डीएनए में ही नहीं है। मैं यह सोचकर हां नहीं करती कि यह रिस्की है तो करना चाहिए। आज मेरे लिए काम,परिवार के साथ मेरा बच्चा भी मेरी प्राथमिकता है, तो मैं वो काम करना चाहूंगी, जिसे करके वही खुशी मिले, जो एक लंबे दिन के बाद मुझे अपने बच्चे को देखकर मिलती है। उस काम को लेकर मेरी आंखों में वही उत्साह और चमक होनी चाहिए।

आपने कहा कि आपकी शुरुआती चॉइसेज आगे का रास्ता तय करते हैं,तो हेट स्टोरी 2 जैसी फिल्म से डेब्यू के बाद आपको उस खांचें में फिट करने की कोशिश नहीं हुई?

हेट स्टोरी 2 तो नहीं, मगर पॉर्च्ड के रिलीज के तुरंत बाद मुझे एक नामचीन डायरेक्टर, बढ़िया सेट अप वाली फिल्म ऑफर हुई, जिसमें मेरा रोल बिल्कुल पॉर्च्ड जैसा था। वो रोल मेरे पास इसीलिए आया, क्योंकि मैंने वैसा रोल किया था, मगर क्या मैं वैसा ही किरदार करती रहूंगी? यहां पर आपको एक कड़वा घूंट पीना पड़ता है कि आप एक अच्छी फिल्म का हिस्सा नहीं हो पाए, लेकिन मुझमें ना बोलने की हिम्मत थी, किरदार रिपीट करने की नहीं, तो हां कई बार आपको एक बॉक्स में डालने की कोशिश होती है और तब ना बोलना जरूरी होता है। तभी आप खुद को स्टीरियोटाइप होने से बचा सकते हैं, वरना आप रिपीट में अटक जाएंगे और इंडस्ट्री के लिए ये करना बहुत आसान है। हालांकि, ये मेकर्स की जिम्मेदारी है कि ऐक्टर को अपने विजन के हिसाब से अलग-अलग किरदारों में इमैजिन करें, ना कि एक ही खांचें में बांध दें।

पिछले दिनों कास्टिंग काउच को लेकर आपका बयान काफी चर्चा में रहा। आपने खुद इसे कैसे हैंडल किया? सेट पर एक सुरक्षित माहौल कैसे संभव है?

सुरवीन ने कहा,इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच कोई छिपी हुई बात नहीं है। मैं तो पहले दिन से इसके खिलाफ बोल रही हूं। हालांकि, अब माहौल बेहतर हुआ है। मेरे साथ तो बहुत लंबे समय से ऐसा कुछ नहीं हुआ है। पहले ये अक्सर होता था, पर शायद एक वक्त के बाद आपके काम की वजह से एक सम्मान बन जाता है और लोग आपके साथ ऐसा नहीं करते हैं। अभी कास्टिंग एजेंसी वगैरह आ जाने से भी एक स्ट्रक्चर बना है कि ऑडिशन दीजिए और टैलंटेड हैं तो रोल पाइए। फिर भी काफी हद तक चीजें वैसी भी हैं। अब भी ये सब होता है, जो बिल्कुल गलत है। मैं इसका विरोध करती हूं। आप काम की बात काम से करो ना, रेज्यूमे से करो ना, इसके (शारिरीक सम्बंध) लिए अपने घर पर जाओ।

आज सोशल मीडिया भी ऐक्टर्स की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है, मगर आप पार्टी,इवेंट्स या पैपराजी की स्पॉटिंग वगैरह में नहीं दिखतीं। ऐसा क्यों?

कसम से मेरी मैनेजमेंट टीम पीछे पड़ी है कि मैं ये सब करूं, लेकिन मुझे ये सब बहुत नकली लगता है। इस स्टारडम की कोई विश्वसनीयता नहीं रह गई है, भले ही सोशल मीडिया, पैप स्पॉटिंग ये सब आज का सच हैं। मुझे तो यह ऐक्टर्स के साथ नाइंसाफी लगती है कि आज लोग सोशल मीडिया फॉलोअर्स देखकर कास्टिंग करते हैं,न कि टैलंट के आधार पर। पैप्स भी महज स्किन शो पैप कर रहे हैं। आप किसी को भी स्पॉट और पैप कर रहे हो, तो उसकी कोई अहमियत नहीं है। मुझे कोई शौक नहीं है कि मैं इंस्टाग्राम पर बताऊं कि मैंने नाश्ते में क्या खाया? या अपने डॉगी को टहलाने कहां ले गई। जिसको अच्छा लगता है वो करे, मुझे इसमें कोई वैल्यू नजर नहीं आती। इस स्टारडम के कोई मायने नहीं हैं, क्योंकि कोई भी स्टार बन सकता है।

कर्मचारी पर नहीं डाला जा सकता बोझ,वेतन वसूली के आदेश पर हाईकोर्ट की टिप्पणी

बिलासपुर,04 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तकनीकी शिक्षा विभाग के एक आदेश को खारिज करते हुए एक कर्मचारी को बड़ी राहत दी है। अदालत ने कहा कि 16 साल बाद की जाने वाली वेतन वसूली पूरी तरह अनुचित और अन्यायपूर्ण है। न्यायमूर्ति ए.के. प्रसाद की एकलपीठ ने कहा कि यदि विभागीय गलती से अधिक वेतन दिया गया है तो उसका बोझ कर्मचारी पर नहीं डाला जा सकता। मामला एक सरकारी सेवक से जुड़ा है, जो 1996 में तकनीकी शिक्षा विभाग में व्याख्याता बना और बाद में प्राचार्य पद तक पहुँचा। विभाग ने 21 दिसंबर 2022 को आदेश जारी कर यह कहते हुए वसूली शुरू कर दी थी कि 2006 के बाद से उसे अधिक वेतन मिला है। जबकि वेतन निर्धारण पूरी तरह विभागीय अधिकारियों के आदेश से हुआ था और इसमें कर्मचारी की कोई भूमिका नहीं थी। याचिकाकर्ता के वकील मतीन सिद्दीकी और दीक्षा गौराहा ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट के स्टेट ऑफ पंजाब बनाम रफीक मसीह (2015) फैसले के अनुसार, यदि अतिरिक्त भुगतान कर्मचारी की धोखाधड़ी या गलत सूचना देने से नहीं हुआ है तो वसूली नहीं की जा सकती। इस सिद्धांत की पुष्टि बाद में थॉमस डेनियल (2022) और जोगेश्वर साहू (2023) मामलों में भी हुई है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड में कहीं भी ऐसा नहीं है कि कर्मचारी ने विभाग को गुमराह किया हो। वह केवल वही वेतन लेता रहा जो विभाग ने खुद तय किया था। अदालत ने माना कि इतने लंबे समय बाद वसूली करना न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि कर्मचारी पर असहनीय आर्थिक बोझ डालने जैसा है।

करमा तिहार के रंग में डूबा मुख्यमंत्री निवास

हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर : सीएम साय

रायपुर,04 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी कंवर समाज युवा प्रभाग रायपुर द्वारा आयोजित प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत-2025 करमा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। इस संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत बनाए रखना न केवल हमारी जिम्मेदारी, बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है। ऐसे पर्व और परंपराएँ समाज को एकजुट होने का अवसर देती हैं, जिससे स्नेह, सद्भाव एवं सौहार्द की भावना विकसित होती है।

स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण योगदान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यदि छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां अंग्रेजों के विरुद्ध 12 आदिवासी क्रांतियाँ हुईं। हमारी सरकार नया रायपुर स्थित ट्राइबल म्यूजियम में आदिवासी संस्कृति के महानायकों की छवि को आमजन की जागरूकता के लिए प्रदर्शित करने मॉडल के रूप में उकेरा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को आमंत्रित किया जा रहा है। उनके करकमलों से इस म्यूजियम का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समाज के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देती रही है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने आजादी के लगभग 40 वर्षों बाद आदिवासी विभाग का पृथक मंत्रालय बनाकर आदिवासी समाज के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हीं के बताए मार्ग पर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आदिवासी समाज के बेहतरी एवं समग्र विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं विशेष पिछड़ी जनजाति समाज के लिए पीएम जनमन योजना का संचालन कर रहे हैं, जिससे हितग्राहियों को शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में 15 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह ने बस्तर, सरगुजा एवं मध्य क्षेत्र प्राधिकरण का गठन कर विकास को गति प्रदान करने का कार्य किया।

आदिवासी संस्कृति में अनेक प्रकार के करमा तिहार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि कंवर समाज के युवाओं द्वारा राजधानी रायपुर में करमा तिहार का आयोजन किया जा रहा है। हमारी आदिवासी संस्कृति में अनेक प्रकार के करमा तिहार मनाए जाते हैं। आज एकादशी का करमा तिहार है, जो हमारी कुंवारी बेटियों का पर्व है। इस करमा तिहार का उद्देश्य है कि हमारी बेटियों को उत्तम वर और उत्तम गृहस्थ जीवन मिले। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर बेटियाँ अच्छे वर और अच्छे घर की कामना करती हैं। इसके बाद दशहरा करमा का पर्व आता है, जिसमें विवाह के पश्चात पहली बार जब बेटी मायके आती है, तो वह उपवास रखकर विजयादशमी का पर्व मनाती है। इसी प्रकार जियुत पुत्रिका करमा मनाया जाता है, जिसमें माताएँ पुत्र-पुत्रियों के दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं। यह एक कठिन व्रत होता है, जिसमें माताएँ चौबीस घंटे तक बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास करती हैं।

युवा आदिवासियों को स्वरोजगार से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि युवा आदिवासियों को स्वरोजगार से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से हमने नई उद्योग नीति बनाई है, जिसमें बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्रों के लिए विशेष रियायतें दी गई हैं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। इसके लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना राज्य में ही की जा रही है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी आदिवासी संस्कृति अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली परंपरा रही है। इसी परंपरा के निर्वहन में आज हम करमा तिहार मना रहे हैं। हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। साय जी के नेतृत्व में ही बस्तर संभाग में बस्तर पांडुम के नाम से ओलंपिक का आयोजन किया गया, जिसकी चर्चा पूरे भारत में हुई। श्री कश्यप ने इस अवसर पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत करमा तिहार की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

स्टार्टअप्स को उत्कृष्ट तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन के लिए मिलेगा पुरस्कार

रायपुर,04 सितम्बर 2025। एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एफआईई) को चौथे भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन में राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन 13 सितंबर को नई दिल्ली के संसद मार्ग स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होगा। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में एनआईटी रायपुर-एफआईई के उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। संस्था को यह सम्मान राज्य में 35 से आधिक नये स्आर्टअप्स को मार्गदर्शन और उन्हें उत्कृष्ट तकनीकी सहयोग के लिए मिलेगा। भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय उद्यमी संघ (ईएआई) और एंटरप्राइजिंग जोन-ईजेड द्वारा किया जा रहा है,जो भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेशन केंद्र है।

औद्योगिक वातावरण को प्रोत्साहित करेगा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर संस्थान को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में लगातार स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिल रहा है। यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ में तेजी से बदल रहे औद्योगिक वातावरण को प्रोत्साहित करेगा। एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। स्टार्टअप्स के पोषण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एनआईटी रायपुर-एफआईई की टेक्नोलॉजी आधारित गतिविधियां हमारे राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी, और छत्तीसगढ़ को नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी। मुख्यमंत्री ने पूरी टीम को बधाई देते देते हुए उम्मीद जताई कि यह संस्था युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने में निरंतर सफलता हासिल करेगी।

ये कैसा हेलमेट अभियान:पेट्रोल भरवाने पंपों के पास किराए में मिल रहा हेलमेट,रेट केवल 10 रुपए

रायपुर,04 सितम्बर 2025। अगर आपको पेट्रोल भरवाना है और आपके पास हेलमेट नहीं है तो आप पेट्रोल पंप के पास ही 10 रुपए किराया के हिसाब से हेलमेट लेकर पेट्रोल भरवा सकते हैं. ये सलाह स्वयं पेट्रोल कर्मचारी दे रहे हैं. बता दें कि राजधानी रायपुर में पेट्रोल डीलर एसोसिएशन ने सड़क हादसे को देखते हुए दोपहिया वाहन चालकों को बगैर हेलमेट पेट्रोल नहीं देने का निर्णय लिया है. पेट्रोल पंप संचालक इसके लिए जन जागरूकता अभियान चलाने की बात भी कही थी. बगैर हेलमेट के पेट्रोल लेने आने वालों को समझाइश देने के बाद शुरुआत में पेट्रोल देने, उसके बाद बगैर हेलमेट पेट्रोल नहीं देने की बात कही गई थी. पंप संचालकों के इस निर्णय को उन्हीं के पंपकर्मी धता बता रहे हैं. बगैर हेलमेट पेट्रोल लेने आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को उन्हीं के पंप कर्मचारी पेट्रोल भरवाने किसी दूसरे का हेलमेट पहनकर पेट्रोल भरवाने की सीख दे रहे हैं. इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति पेट्रोल लगाने जाता है और उसके पास

हेलमेट नहीं होता तो पेट्रोल कर्मचारी उसे कहते हैं कि किनारे जाकर 10 रुपए किराए के हिसाब हेलमेट किराए पर लेकर पेट्रोल भरवा लीजिए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से नवनियुक्त कैबिनेट मंत्रियों की मुलाकात

रायपुर,04 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजनीति में आज का दिन खास रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मंत्रालय महानदी भवन में हाल ही में नियुक्त कैबिनेट मंत्रियों गजेन्द्र यादव, राजेश अग्रवाल और गुरु खुशवंत साहेब ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तीनों नेताओं को नवनियुक्त दायित्व की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके अनुभव और कार्यकुशलता से प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश की जनता ने सरकार से बड़ी अपेक्षाएं रखी हैं। ऐसे समय में मंत्रिमंडल में नए चेहरों का जुड़ना विकास यात्रा को गति देने का कार्य करेगा।

हाईप्रोफाइल ड्रग्स पैडलिंग मामला:मुख्य तस्कर नव्या और इवेंट मैनेजर विधि तीन दिनों की पुलिस रिमांड पर,अन्य आरोपी भेजे गए जेल

रायपुर,04 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के हाईप्रोफाइल ड्रग्स पैडलिंग मामले में गिरफ्तार शातिर तस्कर नव्या मलिक की पुलिस रिमांड कोर्ट ने बढ़ा दी है। एनडीपीएस कोर्ट ने मुख्य तस्कर नव्या मलिक और इवेंट मैनेजर विधि अग्रवाल को 6 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर सौंपा। दोनों तस्करों से पुलिस तीन दिनों तक कड़ी पूछताछ करेगी, जिसमें बड़े खुलासे होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक मुख्य ड्रग्स तस्कर अयान खान, सोहैल खान और जुनैद अख्तर को 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। बचाव पक्ष के वकील अमीन ने बताया कि सभी आरोपियों को आज न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। नव्या मलिक और विधि अग्रवाल को 6 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। रायपुर में ड्रग्स सप्लाई मामले में लगातार परतें खुलती जा रही है। हर दिन नए चेहरे बेनकाब हो रहे हैं और तस्करों का नेटवर्क धीरे-धीरे उजागर हो रहा है। ड्रग्स पैडलिंग मामले में गिरफ्तार ड्रग पैडलर नव्या मालिक और आयन परवेज की निशानदेही पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 4 और आरोपियों को आज गिरफ्तार किया। इनमें विधि अग्रवाल समेत 4 तस्कर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में ड्रग्स भी बरामद किया है।

ऑपरेशन निश्चय के तहत की गई कार्रवाई : पुलिस ने बताया कि गंज थाने में दर्ज एमडीएमए ड्रग्स प्रकरण में ऑपरेशन निश्चय के तहत यह बड़ी कार्रवाई की गई है। जिन चार नए आरोपियों को पकड़ा गया है, उनमें विधि अग्रवाल और ऋषिराज टंडन जैसे नाम शामिल हैं, जो शहर की पार्टियों में बतौर इवेंट मैनेजर सक्रिय थे और मुख्य चेहरे थे।

इन लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी

पुलिस ने बताया कि इस मामले में सबसे पहले हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया को पकड़ा गया था। इनके पास से 27.58 ग्राम एमडीएमए, 85,300 रुपये नगद,एक कार और 5 मोबाइल फोन बरामद हुए थे। इसके बाद नव्या मालिक और अयान परवेज को भी गिरफ्तार किया गया। ताजा कार्रवाई में 4 और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय से पुलिस अभिरक्षा में लेकर उनसे बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंकेज के संबंध में पूछताछ की जा रही है। साथ ही इन्हीं लिंकेज के आधार पर अन्य आरोपियों के बारे में भी विस्तृत पूछताछ जारी है।

जल जीवन मिशन में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई,10 ठेकेदार किये गए ब्लैक लिस्टेड

रायपुर,04 सितम्बर 2025। बस्तर जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही और धीमी प्रगति पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता समिति के अध्यक्ष हरिस एस. ने 2 सितंबर को हुई समीक्षा बैठक में कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर 10 ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। बैठक में उन्होंने कहा कि मिशन मोड में संचालित इस योजना के तहत सभी ठेकेदारों को अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई ठेकेदार या एजेंसी आगे भी लापरवाही बरतेगी या प्रगति में सुधार नहीं करेगी, तो उनके खिलाफ और सख्त कदम उठाए जाएंगे, जिसमें ब्लैक लिस्ट करने के साथ ही वास्तविक प्रगति का मूल्यांकन और ठोस कार्रवाई शामिल होगी। कलेक्टर ने जोर देकर कहा कि जल जीवन मिशन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

421 एनएचएम कर्मचारियों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

रायपुर,04 सितम्बर 2025। एनएचएम कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों पर बर्खास्तगी की कार्रवाई के बाद आंदोलनरत कर्मचारी आक्रोशित हो गए हैं। प्रदेशभर में आज एनएचएम कर्मचारियों ने अपने-अपने जिले के स्वास्थ्य अधिकारी को सामूहिक इस्तीफा सौंपा है। बलौदाबाजार जिले में 421 एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया है बता दें कि नोटिस के बाद भी काम पर नहीं लौटने पर सरकार ने 35 एनएचएम अधिकारी-कर्मचारियों की सेवा समाप्ति कर दी है। इसके चलते अब आक्रोश बढ़ गया है. मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय रायपुर में रायपुर जिले के एनएचएम अधिकारी-कर्मचारी इस्तीफा देने पहुंचे हैं। सीएमएचओ कार्यालय के सामने प्रदर्शन जारी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)